कोटद्वार, शनिवार
22 नवम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 188 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान हुए भगवान मद्महेश्वर

रुद्रप्रयाग : पंचकेदारों में द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओकारेश्वर मन्दिर में विराजमान हो गए हैं। अब शीतकाल के छः माह तक इसी स्थान पर भगवान की नित्य पूजाएं संपन्न होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों के बम बम भोले के जयकारों के साथ क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बीते 18 नवम्बर को द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट बंद होने के बाद प्रथम रात्रि के लिए डोली गौंडार पहुंची थी। जबकि इसके बाद राकेश्वरी मंदिर रांसी और फिर गिरया में रात्रि प्रवास किया। शुक्रवार सुबह गिरिया गांव में पंचाग पूजन के तहत भगवान मद्महेश्वर की विशेष पूजा अर्चना कर भोग लगाया। इस दौरान स्थानीय भक्तों ने बाबा मद्महेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। भक्तों के जयकारों के साथ मद्महेश्वर की चल विग्रह उत्सव डोली गिरिया से शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मन्दिर के लिए रवाना हुई। भगवान की उत्सव डोली के फापज, सलामी गांव सहित विभिन्न यात्रा पड़ाव आगमन पर ग्रामीणों ने पुष्प अक्षतों से भव्य स्वागत किया। भगवान की चल विग्रह उत्सव डोली का मंगोलचारी में स्वागत किया गया जबकि यहां डोली को सोने का छत्र चढ़ाया गया। (एजेंसी)

शीतलहर का असर तेज, डॉक्टरों ने कहा–जरूरी है बचाव और सही खान–पान

देहरादून। प्रदेश में बढ़ती शीत लहर के साथ पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में मौसम तेजी से बदल रहा है। सुबह–शाम को ठंड बढ़ने और सर्द हवाओं के चलने से वायरल इनफेक्शन जैसी बीमारियों के अनेक मामले सामने आ रहे हैं। जिसको लेकर राजधानी देहरादून के चिकित्सकों ने बुजुर्ग व छोटे बच्चों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी है।प्रदेश में शीतलहर के साथ बदलते मौसम के मिजाज को देखते हुए चिकित्सकों ने छोटे बच्चों के अभिभावकों व बुजुर्गों को सर्द हवाओं से बचने के साथ खान–पान में ठंडी चीजों के सेवन से दूर रहने की सलाह दी है। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम परिवर्तन के दौरान छोटी लापरवाही भी सर्दी जुकाम, बुखार, फ्लू और खांसी जैसी बीमारियों से खतरा बना देती है। चिकित्सकों ने बताया कि विशेषकर नवंबर और दिसंबर के महीने में संक्रमण फैलने का सबसे अनुकूल समय माना जाता है। जिससे कि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। ऐसे में छोटे बच्चे और बुजुर्ग लोग सबसे पहले संक्रमण का शिकार होते हैं। बदलते मौसम में अपने आप को स्वस्थ व दुरुस्त रखने के लिए स्वास्थ्य चिकित्सकों ने अस्पताल में आ रहे मरीजों को विटामिन–सी से भरपूर ताजे फल जैसे संतरा, नींबू, आंवला, मौसमी खाने की नसीहत दी जा रही है। एमबीबीएस, डीसीएच वरिष्ठ चिकित्साधिकारी संयुक्त निदेशक (बाल रोग विशेषज्ञ) डॉ. एस के झा ने बताया कि ठंड और मौसम बदलने के कारण वायरल इंफेक्शन और फ्लू जैसी बीमारिया बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को ज्यादा से ज्यादा गर्म कपड़े पहनना चाहिए। स्कूल में जाने वाले छोटे बच्चों को दस्ताने और गर्म टोपी पहनाकर ही स्कूल भेजें। उन्होंने कहा कि ठंडे पानी के सेवन से भी दूर रहे। जितना हो सके ताजा फल का सेवन करें, लेकिन केले और अमरूद के सेवन से दूर रहे।

सड़क हादसों की मजिस्ट्रीयल जांच शुरू

देहरादून। उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार ने अवगत कराया है कि 21 सितम्बर 2025 को स्थान राजकीय यू.के07पीए 5265 बस (सार्वजनिक सेवायान) की वाहन सं० यूके16सीए–3407 श्री व्हीलर गुडस इलेक्ट्रिक वाहन से टक्कर होने के कारण सरोन पुत्र अब्दुल रहीम, उम्र 35 वर्ष वार्ड 01 बत्ता रोड, विकासनगर जिला देहरादून की मृत्यु हुई है। इसी प्रकार एक अन्य घटना 04 अक्टूबर 2025 को स्थान मटक माजरी चौक में वाहन सं० सीएच01जीए8126 बस (सार्वजनिक सेवायान) की वाहन सं० यूके16ई–5937 दुपहिया वाहन से टक्कर होने के कारण मो० यासीन पुत्र घसीटा ग्राम व पो० कुल्हाल विकासनगर जिला देहरादून की मृत्यु हुई है तथा ताज मोहम्मद पुत्र घसीटा ग्राम पो० कुल्हाल विकासनगर देहरादून घायल हो गये थे।

संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है, जो समाज को सत्पथ की ओर प्रेरित करता है-धामी

– मुख्यमंत्री ने स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सभागार, श्री सिद्धबली हनुमान द्वार तथा शहीद चौक का लोकार्पण एवं उद्घाटन किया

हरिद्वार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज रुड़की के जीवनदीप आश्रम में आयोजित भव्य पाँच दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षक परम पूजनीय संत–महात्माओं, धर्माचार्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है, जो समाज को सत्पथ की ओर प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने परमपूज्य पद्मभूषण ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपूज्य जगद्गुरु महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि जी महाराज सहित सभी संतजनों को साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि संतों की दिव्य उपस्थिति मन और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार करती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जीवन दीप सेवा न्यास के इस पाँच दिवसीय महोत्सव में शतचंडी महायज्ञ, श्री भक्तमाल कथा, 1100 बालिकाओं का पूजन, पाठ्य सामग्री वितरण एवं पाँच कन्याओं के सामूहिक विवाह जैसे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में सेवा–भावना का अद्भुत संदेश दे रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सभागार, श्री सिद्धबली हनुमान द्वार तथा शहीद चौक का लोकार्पण एवं उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि शहीद चौक हमारे अमर बलिदानियों के साहस और राष्ट्रभक्ति का स्मारक है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मैंन मार्ग से सुनहरा मार्ग चौराहे को शहीद चौक के नाम दिया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज ने राष्ट्र, धर्म एवं मानवता की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर समाज को त्याग, करुणा एवं सेवा का पवित्र मार्ग दिखाया। उन्हीं की प्रेरणा से जीवन दीप सेवा न्यास शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, गौ–संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्वभर में भारत की सनातन संस्कृति का गौरव बढ़ा है। उन्होंने उल्लेख किया कि–भव्य राम मंदिर निर्माण, बद्रीनाथझकेदारनाथ धाम पुनर्निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक निर्माण जैसी पहलें हमारी सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।केदारखंड एवं मानसखंड मंदिर क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के साथ–यमुनातीर्थ स्थल का पुनरुद्धार, हरिद्वार–ऋषिकेश कॉरिडोर,शारदा कॉरिडोर निर्माण, दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

राज्य की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संरचना को संरक्षित रखने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक संरचना की रक्षा के लिए पूर्णतः संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि–धर्मांतरण विरोधी कानून एवं सख्त दंगारोधी कानून लागू किए गए हैं। लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसी जिहादी मानसिकताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। लैंड जिहाद पर 9 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (वउउ) लागू कर समान कानून व्यवस्था स्थापित की गई है।

युवाओं के हित में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिससे 26,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। अवैध गतिविधियों में संलिप्त 250 से अधिक अवैध मदरसों को सील किया गया तथा नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय लिया गया है, जिसके बाद 1 जुलाई 2026 से गैर–मानक मदरसे स्वतः बंद हो जाएंगे।

ह्यह्यऑपरेशन कालनेमिह्वह्व के अंतर्गत सनातन धर्म को बदनाम करने वालों पर कठोर कार्रवाई की गई है।

उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ राज्य को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने हेतु सतत प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संत–महात्माओं के आशीर्वाद और जनसहयोग से उत्तराखंड निश्चित ही एक आदर्श एवं अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के धर्मपत्नी श्रीमती गीता धामी ने कहा कि सौभाग्य का दिन है कि आज जीवन दीप आश्रम द्वारा पंच दिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया है, जिसमें हमें भी आने का सौभाग्य प्राप्त हुओ उन्होंने कहा कि जीवन दीप आश्रम सनातन धर्म का निर्वहन करते हुए समाज हित में कार्य कर रहे हैं तथा आज इस पंच दिवसीय महोत्सव में 1100 कन्याओं पूजन एवं भोजन कराया जा रहा है तथा 06 कन्याओं का सामूहिक विवाह किया जा रहा है।उन्होंने सभी कन्याओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका जीवन सुखी, समृद्ध एवं मंगलमय हो और सुखमय जीवन व्यतीत करे।

नीतीश कुमार की कैबिनेट में विभागों का बंटवारा

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिला गृह विभाग

पटना,बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट में विभागों का बंटवारा हो गया है। इस बार गृह विभाग भाजपा के खाते में गया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गृह मंत्री बनाए गए हैं। यह पिछले 20 सालों में पहली बार है, जब नीतीश के पास गृह विभाग नहीं हैं। सम्राट को गृह मंत्री बनाए जाने की चर्चा काफी समय से चल रही थी। शुक्रवार को 18 मंत्रियों को विभाग सौंपे गए हैं।

इसकी सूची राज्यपाल को दे दी गई है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि और राजस्व के साथ खानन और भू–तत्व विभाग दिया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को कैबिनेट में उद्योग विभाग मिला है। मंगल पांडे को स्वास्थ्य और कानून विभाग दिया गया है। श्रेयसी सिंह को सूचना विभाग और खेल विभाग मिला है। श्रेयसी पहली बार मंत्री बनी हैं और राष्ट्रमंडल खेलों में शूटिंग में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। वे पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह के बेटी हैं। बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को

लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भाजपा में खींचतान चल रही थी। जदयू के 2 वरिष्ठ नेताओं ने इस संबंध में दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की थी। अंत में ये विभाग भाजपा के पास गया है। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए ऐसा पहली बार हुआ है, जब उनके पास गृह विभाग नहीं है। नीतीश ने हर बार मुख्यमंत्री रहते हुए ये विभाग अपने पास रखा है। नितीन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरूण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, सुरेन्द्र मेहता को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, नारायण प्रसाद को आपदा प्रबंधन विभाग, रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, लखेन्द्र पासवान को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग और प्रमोद चंद्रवंशी सहकारिता और पर्यावरण–वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मिला है।

भारत ने गुपचुप खोला चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा

नईदिल्ली,भारत ने दुनियाभर में रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोला दिया है। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट ने मामले से जुड़े लोगों के हवाले से बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में चीन के नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोल दिए गए है। चीनी नागरिक तमाम देशों के भारतीय मिशनों और वाणिज्य दूतावासों से आवेदन कर रहे हैं। इससे पहले भारत ने इस साल जुलाई में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा दोबारा से शुरू किया। हालांकि, तब वे सिर्फ बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास और शंघाई, गुआंगझोउ, हांगकांग स्थित वाणिज्य दूतावासों में आवेदन कर सकते थे। अब दुनियाभर से आवेदन कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, पर्यटन वीजा जारी करने की शुरूआत तब हुई, जब हाल में दोनों देशों ने संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए कई 'जन–केंद्रित कदमों' पर सहमति व्यक्त की है। अक्टूबर में दोनों देशों के बीच उड़ानें शुरू करने का निर्णय लिया गया था, जो पिछले 5 साल से बंद थी। पहली उड़ान 9 नवंबर को शंघाई से नई दिल्ली पहुंची थी, जबकि 26 अक्टूबर को कोलकाता से गुआंगझोउ के बीच इंडिगो की उड़ान रवाना हुई थी। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच घातक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। 9 जुलाई, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता हुई,

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के सतबरी गांव में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर आठ लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक महिला भी है. यह कॉल सेंटर एक आवासीय इमारत में चलाया जा रहा था. इनका टारगेट विदेशी नागरिक हुआ करते थे. जहां से वीओआईपी आधारित कॉलिंग सेटअप, विदेशी डेटाबेस के माध्यम से धोखाधड़ी की जा रही थी.

पुलिस के अनुसार यह पूरा रैकेट सानू नाम के एक वांछित अपराधी द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो अवैध गतिविधियों में पहले भी शामिल रहा है. छापेमारी से ठीक पहले सानू मौके से फरार हो गया. उसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है. जांच में यह भी सामने आया कि कॉल सेंटर जिस भवन से संचालित हो रहा था, वह सानू के छोटे भाई रिहान उर्फ टिन्नी के नाम पर पंजीकृत है. पुलिस ने इमारत को सील कर दिया है. छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक

उपकरण मिले थे, जिनमें कई कंप्यूटर सिस्टम, मोबाइल फोन, वीओआईपी सॉफ्टवेयर, विदेशी डेटा सेट व धोखाधड़ी में उपयोग किए जाने वाले दस्तावेज शामिल हैं. पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूरा सेटअप देखने में एक वैध अंतरराष्ट्रीय कस्टमर–सपोर्ट सेंटर की तरह तैयार किया गया था, जिससे किसी को संदेह न हो. सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है जिससे ऑपरेशन के पैमाने और अन्य साइबर फ्रॉड नेटवर्क्स से इनके संबंध की जांच की जा सके. दिल्ली पुलिस की हालिया कार्रवाई का यह हिस्सा एक बड़े ऑपरेशन से जुड़ा है. 10 नवंबर को क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड व पंजाब में कई स्थानों पर छापेमार कार्रवाई की थी, जिसमें डिजिटल अरेस्ट और इन्वेस्टमेंट फ्रॉड मामलों में शामिल कई मास्टरमाइंड पकड़े गए थे. इस ऑपरेशन में पुलिस को दुबई–हैंडलर्स से जुड़े करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी का ट्रेल भी मिला था.इन छापों में साइबर सेल ने कई फर्जी कंपनियों का भी खुलासा किया. इस बड़ी कार्रवाई में पुलिस ने लगभग 5 करोड़ रुपये रखने वाले तीन क्रिप्टो वॉलेट भी बरामद किए.

भूकंप से डोली बंगाल की धरती, इमारतों में रह रहें लोग दहशत में आए

कोलकाता, जहां एक ओर भूकंप के झटकों से पड़ोसी देश बांग्लादेश हिल गया और कई लोगों की मौत हुई व नुकसान भी हुए है। वहीं महानगर कोलकाता भी भूकंप से हिल गया। झटकों सा सबसे अधिक असर उत्तर व दक्षिण और कोलकाता के अलग–अलग इलाकों में अधिक हुआ। ऊंची इमारातों रह रह रहें लोग दहशत में आ गए। कोलकाता में आए में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.7 दर्ज की गई। वैसे भूकंप का मुख्य केन्द्र बांग्लादेश बताया जा रहा है। बांग्लादेश के अलग–अलग इलाके हिल गए हैं। कूचबिहार में भी झटके महसूस किए गए। साउथ दिनाजपुर में भूकंप महसूस किया गया। माल्दा और नदिया के अलग–अलग इलाकों में

भूकंप महसूस किया गया।

कोलकाता में झटके अचानक महसूस होते ही कई इलाकों में लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में सड़क पर निकल आए। पार्क स्ट्रीट, काकुड़गाछी, बीटी रोड और साल्टलेक जैसे क्षेत्रों में इमारतों से बाहर निकलती भीड़ देखी गई। कुछ स्थानों पर मल्टीस्टोरी इमारतों के निवासियों ने बताया कि झटकों के दौरान कमरे की दीवारें और फर्नीचर हिलते महसूस हुए।

सोशल मीडिया पर लोगों ने तेज झटकों का अनुभव साझा किया है। कई यूजर्स ने अपने घरों के पंखो के हिलने के वीडियो पोस्ट किए, जबकि कुछ ने सडकों के वीडियो साझा किए जिनमें लोग भय से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। कुछ पोस्ट में ऑफिस और अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स खाली कराते हुए भी तस्वीरें साझा की गईं। असम के गुवाहाटी और आसपास के जिलों में भी झटके स्पष्ट महसूस हुए। अचानक आए भूकंप से लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की कोशिश में इमारतों से बाहर निकल आए। अधिकारियों के अनुसार अभी तक जनहानि या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है, लेकिन स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप का केंद्र कम गहराई पर होने के कारण झटके अपेक्षाकृत ज्यादा तीव्र महसूस हुए। बहरहाल खबर के लिखे जाने तक बंगाल में भूकंप के झटकों से व्यापक स्तर पर किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं मिल सकी थी।

जम्मू–कश्मीर में एलओसी के पास आतंकी साजिश का भंडाफोड़

श्रीनगर,जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित हंदवाड़ा में शुक्रवार को एक बड़ी आतंकी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। यहां के नौगाम सेक्टर में जंगलों से हथियारों को जखीरा बरामद किया गया है। हंदवाड़ा पुलिस और भारतीय सेना की नौगाम ब्रिगेड ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास खुस सूचना के आधार पर नीरियां जंगल क्षेत्र में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। पुलिस ने इस संबंध में कलमाबाद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है। सुरक्षा बलों ने यहां से 4 मैगजीन के साथ 2 एम–सीरीज असॉल्ट राइफल, 3 मैगजीन के साथ 2 चीनी पिस्तौल, 2 हैंड ग्रेनेड और जिंदा राउंड बरामद किए गए। सुरक्षा की दृष्टि से आसपास के इलाकों में छानबीन शुरू कर दी गई है। हथियार और गोला–बारूद यहां कैसे पहुंचे, इसका पता लगाया जा रहा है।

आतंकी डॉक्टर बम बनाने के लिए कर रहा था आटा चक्की का इस्तेमाल

नईदिल्ली, दिल्ली में हुए विस्फोट मामले में जांच कर रहीं एजेंसियों को पता चला है कि फरीदाबाद से गिरफ्तार अल–फलाह विश्वविद्यालय का डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनई बम बनाने के लिए आटा चक्की का इस्तेमाल कर रहा था।रिपोर्ट के मुताबिक, संदिग्ध आतंकी शकील आटा चक्की में बम का रसायन तैयार करता था। उसने यह चक्की टैक्सी चालक के घर रखवाई थी। जांच एजेंसियों को टैक्सी चालक के घर से आटा चक्की, ग्राइंडर और कुछ इलेक्ट्रॉनिक मशीनें भी मिली हैं।

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा निवासी शकील ने फरीदाबाद में अपने किराए के कमरे में आटा चक्की का इस्तेमाल किया था, जहां से पुलिस ने 9 नवंबर को 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट और अन्य विस्फोटक बरामद किए थे। वह आटा चक्की में यूरिया पीसता था और विस्फोटकों के लिए रसायन तैयार करता

था। वह यूरिया से अमोनियम नाइट्रेट को अलग करने और विस्फोटकों को परिष्कृत करने के लिए आटा चक्की का इस्तेमाल कर रहा था।

जांच एजेंसियों का कहना है कि आतंकी शकील ने आटा चक्की और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को चालक के घर पर रखवाया था और कहा था कि उसकी बहन की शादी के लिए उपहार हैं। बाद में उन्हें अपने किराए के मकान में ले गया और इस्तेमाल किया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने टैक्सी चालक को हिरासत में लिया है।

ईडी का पश्चिम बंगाल और झारखंड में कोयला माफिया के खिलाफ छापा

कोलकाता/रांची, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और झारखंड में कोयला माफिया के खिलाफ धन शोधन मामले में छापेमारी की. इस दौरान भारी मात्री में नकदी व स्वर्ण आभूषण बरामद किए गए हैं. इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई के अंतर्गत दोनों राज्यों में 40 से अधिक परिसरों की तलाशी अभियान चलाया गया. इस दौरान ईडी झारखंड में कोयला चोरी और तस्करी से जुड़े मामलों की जांच के क्रम में करीब 18 स्थानों पर छापेमारी कर रही है. इसमें अनिल गोयल, संजय उद्योग, एल बी सिंह और अमर मंडल के नाम वाली संस्थाओं के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. बताया जाता है कि इस

मामले में बड़े पैमाने पर कोयला चोरी शामिल है, जिसकी वजह से सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है. अधिकारियों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की जांच के तहत दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में करीब 24 परिसरों की तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. वहीं ईडी ने केरल में कथित ऋण 'धोखाधड़ीझ् से जुड़ी धन शोधन की जांच के तहत शुक्रवार को केरल में पूर्व विधायक पी वी अनवर और कुछ अन्य के परिसरों पर छापे मारे. इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि यह मामला 2015 में केरल वित्तीय निगम द्वारा कथित धोखाधड़ी से स्वीकृत ऋणों से संबंधित है, जिसकी वजह से 22.31 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. बताया जाता है कि ईडी मनी लॉन्ड्रिंग का पता लगाने के लिए आय से अधिक संपत्ति, संदिग्ध बेनामी संपत्ति, रियल एस्टेट परियोजनाओं में धन के हेरफेर के अलावा अन्य बेहिसाब निवेशों की भी जांच कर रही है.

युवक का शव मिलने से सनसनी

रुड़की। थाना क्षेत्र खेलपुर गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब गुरुवार देर रात एक संपर्क मार्ग पर एक युवक का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना भगवानपुर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर रुड़की सिविल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात करीब 10 बजे ग्रामीणों ने संपर्क मार्ग पर एक शव पड़े होने की जानकारी दी थी। मौके पर पहुंचकर की गई जांच में शव की पहचान रोहित निवासी कुराली थाना नांगल जनपद सहारनपुर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में शव पर किसी प्रकार के चोट या हिंसा के निशान नहीं मिले हैं। प्रभारी निरीक्षक सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

दुबई में एयर शो के दौरान तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

नईदिल्ली,संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में एयर शो के दौरान शुक्रवार को एक तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। हादसा दुबई वर्ल्ड सेंट्रल स्थित अल–मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर 2:10 बजे हुआ था। घटना के समय हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का तेजस विमान दर्शकों के लिए उड़ान प्रदर्शन कर रहा था, तभी वह जमीन पर गिर गया और घना धुआं छा गया। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। घटना की पुष्टि करते हुए, एक भारतीय वायुसेना अधिकारी ने कहा, दुबई एयर शो में आज हवाई प्रदर्शन के दौरान एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायुसेना पायलट के शोकाकुल परिवार के साथ

खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है। घटना के समय मौके पर महिलाएं और बच्चों सहित कई लोग मौजूद थे। तेजस लड़ाकू विमान हवा से नीचे आते ही आग के बीच में घिरा दिख रहा है। तेजस लड़ाकू विमान के साथ इस साल यह दूसरी घटना हुई है। पिछले साल मार्च में राजस्थान के जैसलमेर के पास एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हालांकि, उसमें पायलट सुरक्षित बच गया था। बता दें कि दुबई द्विवार्षिक दुबई एयर शो की मेजबानी कर रहा था। यह आयोजन इस साल अमीरात और उसकी कम लागत वाली सहयोगी एयरलाइन फ्लाईदुबई से बड़े विमानों के ऑर्डर मिलने के कारण किया गया था। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा डिज़ाइन और एचएएल द्वारा निर्मित, तेजस भारत का पहला स्वदेशी लड़ाकू विमान है। इसमें एक विदेशी इंजन लगा है। भारतीय वायुसेना वर्तमान में तेजस लड़ाकू विमान के एमके1 संस्करण का उपयोग कर रही है और एमके1ए संस्करण की आपूर्ति का इंतज़ार कर रही है।

सम्पादकीय

बिगड़ रही डेमोग्राफी

उत्तराखंड राज्य में भारी लोगों की घुसपैठ एवं बांग्लादेशियों का अवैध रूप से रहना शासन–प्रशासन और क्षेत्रीय लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही है। पिछले कुछ समय में मैदानी क्षेत्र के साथ–साथ पर्वतीय क्षेत्र में ऐसे संदिग्ध लोगों की तादाद काफी संख्या में बढ़ गई है जो इससे पहले कभी भी उत्तराखंड में नजर नहीं आते थे। मैदानो में तो ऐसे बाहरी लोगों की भरमार ही गई है लेकिन पहाड़ों में भी ऐसे लोगों का बसना एक बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है। पहाड़ों में जिस प्रकार से एक खास वर्ग के लोगों ने अपने ठिकाने बना लिए हैं उसे पर शायद अब तक शासन प्रशासन की नजर नहीं गई है, लेकिन पिछले कुछ समय में स्थानीय लोगों के साथ हुई घटनाओं के बाद जरूर अब इस दिशा में सरकार द्वारा कार्रवाई करने का प्रयास किया जा रहा है। उधर स्थानीय लोग भी बाहरी लोगों के आने के बाद सचेत हो रहे हैं और ऐसे कई प्रकरण सामने आए हैं जहां स्थानीय लोगों ने बाहर से आए बसे लोगों को अपने क्षेत्र से बाहर भगाया, बड़ा सवाल यह है कि इन्हीं लोगों में कई अवैध बांग्लादेशी भी पहचान बदलकर रह रहे हैं जिसका खुलासा राजधानी पुलिस ने किया है। प्रकरण में फेसबुक से हुई बांग्लादेशी व्यक्ति से दोस्ती शादी में बदल गई और महिला ने पूर्व पति के नाम पर ही वैध दस्तावेज बना कर बांग्लादेशी को उत्तराखंड में बसा दिया।चिंता की बात यह है कि यह लोग पहले सीमित संख्या में आते हैं और उसके बाद सरकारी भूमि या सड़क किनारे ही अवैध कब्जे कर धीरे–धीरे अपनी संख्या बढ़ाते रहते हैं। छोटी मोटी फेरी लगाने का काम भी इनके द्वारा किया गया है लेकिन बात करें ऐसे लोगों के सत्यापन की तो इस दिशा में स्थानीय पुलिस की भूमिका भी कोई बहुत सक्रिय नहीं है। पहाड़ों में पिछले कुछ समय में ऐसी कई घटनाएं प्रकाश में आई है जिसमें ऐसे बाहरी लोगों के द्वारा आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया गया। स्थानीय लोगों द्वारा भी ऐसे कई दूसरे समुदाय के लोगों को बिना जांच पड़ताल के अपने घर व दुकान किराए पर दे दिए गए हैं जो कई बार संदिग्ध तौर पर पहाड़ों में अपनी पहचान छुपाने के लिए ठिकाने ढूंढने आए हैं। यहां स्थानीय पुलिस की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि जब तक बाहरी लोगों के सत्यापन की कार्रवाई गंभीरता के साथ नहीं की जाएगी तब तक संदिग्ध लोगों की संख्या कम होने वाली नहीं है। यहां स्थानीय लोगों को भी सचेत होना पड़ेगा कि उनके आसपास ऐसी कौन लोग बस रहे हैं जो आज से पहले ना तो पहाड़ों मैं नजर आए या फिर भौगोलिक तथा स्थानीय बोलचाल से कहीं भिन्न है। इस गंभीर समस्या से निपटने का समाधान स्थानीय प्रशासन एवं क्षेत्रीय लोगों को ही निकलना होगा अन्यथा वह दिन भी दूर नहीं जब पहाड़ों की शांत अबू हवा में अपराधी के घटनाओं के साथ–साथ संदिग्ध लोगों की आवाजाही भी खुलेआम शुरू हो जाएगी। पुलिस एवं स्थानीय लोगों को यह ध्यान रखना होगा कि उनके आसपास अवैध कब्जे करने वाले लोग कौन हैं और अस्थाई निर्माण कर खुद को घुमंतू कारोबारी बताने वाले लोगों की गतिविधियां और मूल ठिकाना क्या है? पहाड़ी क्षेत्र में अवैध मजरे एवं अवैध कब्जे भी बड़ी एक चिंता का कारण है। यदि अभी नहीं संभले तो निश्चित तौर पर आने वाले समय में इसकी बड़ी कीमत उत्तराखंड को चुकानी पड़ सकती है।

भारत की श्रम संहिताएं और महिला श्रमिक

श्रीमती उमा मेय्यप्पन

वैश्विक स्तर पर बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच, भारत की नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन घरेलू लचीलेपन को मजबूत करने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना न केवल मैन्यूफैक्चरिंग या तकनीकी क्षमता का विस्तार, बल्कि समावेशी एवं सुदृढ़ संस्थानों के निर्माण पर भी निर्भर करेगा। सच्ची आत्मनिर्भरता एक ऐसी अर्थव्यवस्था के निर्माण में निहित है जहां प्रत्येक नागरिक, विशेषकर महिलाएं, देश की विकास गाथा में सार्थक रूप से भाग ले सकें।

भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023–24 के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017–18 में 22.0 प्रतिशत से बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया है। जबकि, इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। ये आंकड़े श्रम बाजार में भागीदारी के मामले में व्याप्त लैंगिक अंतर में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाते हैं तथा व्यापक आर्थिक समावेशन की दिशा में सकारात्मक बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं। फिर भी, महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा श्रमबल से बाहर है और जो महिलाएं कार्यरत हैं भी, उनमें से कई उन अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं जहां उन्हें कम वेतन, नौकरी की सीमित सुरक्षा और न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। कृषि एवं घरेलू काम से लेकर घर–आधारित उद्यमों और गिग प्लेटफॉर्म तक, अनौपचारिक रोजगार अक्सर नाजुक आर्थिक स्थिति और असमानता को मजबूत करता है।

इस संदर्भ में, भारत के श्रम कानूनों को हाल ही में चार व्यापक संहिताओं में संहिताबद्ध किया जाना इन कमियों को दूर करने का एक अनूठा मौका है। औपचारिकीकरण, संरक्षण और समान पहुंच पर ध्यान केन्द्रित करके, इन सुधारों का उद्देश्य अपेक्षाकृत अधिक समावेशी और सुदृढ़ श्रम बाजार की नींव रखना है। इस प्रयास में भारत अकेला नहीं है। वियतनाम, इंडोनेशिया, मिस्र और मैक्सिको सहित कई विकासशील देशों ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इनमें मातृत्व संबंधी लाभ का विस्तार करना तथा स्वैच्छिक सहमति, सुरक्षित परिवहन, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, महिला पर्यवेक्षण एवं उत्पीड़न–विरोधी ठोस सुरक्षा जैसे सुरक्षात्मक उपायों के तहत महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देना शामिल है। ऐसे उपाय सिर्फ रोजगार को ही संभव बनाने से जुड़े नहीं हैं, बल्कि इनका जुड़ाव महिलाओं की गरिमा, स्वायत्तता और आर्थिक प्रगति में समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करने से भी है।

अब जबकि भारत आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है, एक सच्ची समावेशी एवं न्यायसंगत अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए महिलाओं को नीति और श्रम सुधार के केन्द्र में रखना अहम होगा। इन संहिताओं में निहित अनेक प्रावधानों में से कई, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी एवं सशक्तिकरण की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य कार्यस्थलों को अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, अधिक लचीला और अधिक न्यायसंगत बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं पुरुषों के साथ समान स्तर पर अर्थव्यवस्था में भाग लें और उसका लाभ उठा सकें।

वेतन और कामकाज की स्थितियों में लिंग–आधारित भेदभाव की समाप्ति

भारत के श्रम सुधार, विशेष रूप से वेतन संहिता (2019) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 का उद्देश्य वेतन तथा कामकाज की स्थितियों में लंबे समय से चले आ रहे और श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी को सीधे प्रभावित करने वाले लिंग–आधारित भेदभाव से निपटना है।

वेतन संहिता (2019) भर्ती और वेतन में लिंग–आधारित भेदभाव को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करके "समान कार्य के लिए समान वेतन" के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संहिता संगठित और असंगठित, दोनों क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन कवरेज को सार्वभौमिक बनाती है। यह प्रावधान कम वेतन वाले अनौपचारिक पेशों में कार्यरत महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन्हें एक बुनियादी स्तर की आय संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय फ्लोर वेज ढांचे की शुरुआत उचित वेतन के लिए मोल–भाव करने की महिला श्रमिकों की क्षमता को मजबूत करती है और साथ ही वेतन के स्तरों में क्षेत्रीय असमानताओं को भी कम करती है। यह लैंगिक आधार पर वेतन में व्यापक अंतर को दूर करने और सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आय संबंधी सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इसके समानांतर, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 महिलाओं को पारंपरिक रूप से नियत कामकाज के घंटों से परे काम करने की अनुमति देकर उनकी आर्थिक भागीदारी के नए अवसर खोलती है। पूर्व में 1948 के फैक्ट्री अधिनियम के तहत कारखानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली में महिलाओं को काम करने से रोकने संबंधी प्रतिबंध के उलट, इस नए संहिता का उद्देश्य कमाई की क्षमता के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं के बीच समान अवसर प्रदान करना है। इस प्रतिबंध के हटने से महिलाएं पारंपरिक रूप से पुरुषों के प्रभुत्व वाली पाली में काम कर सकेंगी। इससे अपने पुरुष समकक्षों के बराबर वेतन अर्जित करने की उनकी क्षमता बढ़ जाएगी। उदाहरण के तौर पर आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पंजाब, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, त्रिपुरा, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों ने पहले ही रात्रि पाली में महिलाओं के काम करने पर प्रतिबंध को हटा लिया है। इसके परिणामस्वरूप पुरुषों के रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव डाले बिना महिलाओं के रोजगार में वृद्धि हुई है, खासकर बड़ी व निर्यात–उन्मुख फर्मों में। इससे पता चलता है कि महिलाओं को रात्रि पाली में शामिल करने से औपचारिक क्षेत्र के रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

हालांकि रात में काम करना अनूठी, खासकर सुरक्षा से जुड़ी, चुनौतियां पेश करता है। इसे स्वीकार करते हुए, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहितायह सुनिश्चित करती है कि महिलाओं को केवल उनकी स्पष्ट सहमति से ही रात्रि पाली में नियुक्त किया जाए और सुरक्षा के पर्याप्त उपाय लागू हों। नियोक्ताओं द्वारा सुरक्षित परिवहन, अलग शौचालय और यौन उत्पीड़न रोकने के उपायों सहित सुरक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाएं प्रदान करना आवश्यक है। यह बदलाव उस पारंपरिक, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण से दूर हटने का प्रतीक है जो सुरक्षा के नाम पर महिलाओं के काम के घंटों को सीमित करता था। इसके बजाय, यह कदम महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देने वाले ढांचे के भीतर विकल्प और स्वायत्तता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है।

महिलाओं की देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना और व्यावसायिक सुरक्षा, एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाना

श्रम बाजार में महिलाओं की कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाला एक अन्य प्रमुख कारक उन पर काम का दोहरा बोझ है। इस बोझ के तहत उन्हें वेतनभोगी काम के साथ–साथ घरेलू एवं बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बिठाना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमानों के अनुसार, 2023 में, 74.8 करोड़ लोग (15 वर्ष या उससे अधिक आयु के) देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के कारण वैश्विक श्रमबल का हिस्सा बनने में असमर्थ थे। इनमें अधिकांश महिलाएं थीं। इसके अलावा, महिलाओं के अनुकूल एक ऐसे बुनियादी ढांचे की जरूरत है जो कार्यस्थल पर लैंगिक दृष्टि से महिलाओं और पुरुषों की भिन्न भिन्न प्रकार की विशेष जरूरतों को पूरा कर सके।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता सभी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, शौचालय और शिशुगृह संबंधी सुविधाओं के लिए न्यूनतम मानक स्थापित करती है। यह प्रावधान लंबे समय से चली आ रही बुनियादी ढांचे की उन कमियों को दूर करता है, जिसने महिलाओं को विशेष रूप से मैन्यूफैक्चरिंग, खनन और निर्माण क्षेत्रों में रोजगार पाने से रोका है। खासतौर पर 50 से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले प्रतिष्ठानों में अनिवार्य शिशुगृह सुविधाओं का प्रावधान भले ही नया नहीं है, लेकिन यह संहिताकरण के जरिए कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है। यह कामकाजी माताओं का समर्थन करने और साझा देखभाल जिम्मेदारियों को आम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन प्रावधानों के पूरक के रूप में, औद्योगिक संबंध संहिता (2020) के तहत जारी सेवा क्षेत्र के लिए मॉडल स्थायी आदेश, अब नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच आपसी समझौते के आधार पर घर से काम करने की व्यवस्था की अनुमति देते हैं। यह एक हद तक लचीलापन लाता है जो विशेष रूप से सेवा और ज्ञान–आधारित पेशों में महिलाओं को भुगतान किए गए काम और देखभाल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बिठाने में और अधिक सहायता कर सकता है।

इसके अलावा, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच को भी अनिवार्य बनाती है और ठेका कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी मुख्य नियोक्ताओं पर डालती है। ये उपाय उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, जो आउटसोर्स या आकस्मिक पदों पर कार्यरत हैं जहां पेशेगत स्वास्थ्य एवं कल्याण की उपेक्षा की जाती है। इसी प्रकार सुरक्षित परिवहन, अच्छी रोशनी वाले कामकाज के वातावरण और स्वास्थ्यकर सुविधाएं प्रदान करने पर जोर देने से रात्रि पाली या दूर–दराज स्थित कार्यस्थलों पर काम करने की महिलाओं की इच्छा और क्षमता बेहतर हो सकती है। व्यक्तिगत रूप से इन जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई महसूस करने वाले छोटे उद्यम आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने हेतु सामूहिक रूप से सहयोग और संसाधन जुटा सकते हैं।अनौपचारिक क्षेत्र में संलग्न महिलाओं का ध्यान रखना और सभी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना

लेकिन भारत के श्रम सुधारों की आधारशिला सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) है, जो खासतौर पर तेजी से बढ़ते गिग और अनौपचारिक क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करती है। यह मुख्य रूप से औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों पर केन्द्रित और देश के अधिकांश श्रमबल, विशेषकर अनौपचारिक, आकस्मिक या स्व–नियोजित भूमिकाओं में कार्यरत महिलाओं की अनदेखी करने वाले पूर्व के श्रम कानूनों की तुलना में एक बड़ा बदलाव है। पीएलएफएस 2023–24 के अनुसार, गैर–कृषि क्षेत्र में कार्यरत 61 प्रतिशत महिला श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र के उद्यमों में संलग्न हैं।कई महिलाएं कामकाज के लचीले घंटों की वजह से असंगठित क्षेत्र की ओर रुख करती हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां वेतनभोगी काम और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना संभव होता है। परिणामस्वरूप महिलाएं कृषि, घरेलू एवं देखभाल संबंधी काम और सूक्ष्म या घर–आधारित उद्यम जैसे अनौपचारिक क्षेत्र में अत्यधिक केन्द्रित हैं, जहां सामाजिक सुरक्षा सीमित रूप से सुलभ है। इसके अलावा, महिलाएं तेजी से बढ़ती गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से घरेलू, देखभाल एवं सौंदर्य सेवाओं में बड़ी संख्या में प्रवेश कर रही हैं, जहां ऐसे लाभ अभी भी दुर्लभ ही हैं।

सामाजिक सुरक्षा, जरूरी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करके महिलाओं के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह अनियमित रोजगार या बेरोजगारी के दौरान लगने वाले वित्तीय झटकों की वजह से महिलाओं की नाजुक स्थिति में कमी लाती है। उदाहरण के लिए, मातृत्व अवकाश और स्वास्थ्य बीमा यह सुनिश्चित करते हैं कि महिलाएं वित्तीय अस्थिरता का जोखिम उठाए बिना अपनी और अपने परिवार की देखभाल कर सकें। पेंशन दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती है और यह उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिन्हें अक्सर असमान वेतन, करियर ब्रेक और देखभाल करने वाली भूमिकाओं के कारण जीवन भर कम आय की स्थिति से गुजरना पड़ता है।

इन चुनौतियों के जवाब में, सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) असंगठित, गृह–आधारित, स्व–नियोजित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों की पहचान और पंजीकरण की शुरुआत करती है। इन समूहों को शामिल करने के उद्देश्य से "श्रमिक" की परिभाषा का विस्तार करके, यह संहिता देश में रोजगार की विकसित प्रकृति को स्वीकार करती है और सामाजिक सुरक्षा में लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करने का लक्ष्य रखती है। इसके अलावा, यह संहिता मातृत्व लाभ अधिनियम (1961) को अपने ढांचे में समन्वित करती है और "परिवार" की परिभाषा का विस्तार करते हुए आश्रित ससुराल वालों को शामिल करती है, जिससे कई महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली देखभाल की व्यापक जिम्मेदारियों को मान्यता मिलती है। इन प्रावधानों को लागू करते हुए, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित और प्रवासी श्रमिकों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के लिए पहले ही कदम उठाए हैं, जो ऐसे श्रमिकों की दृश्यता बढ़ाएगा और अनौपचारिक क्षेत्र में महिला श्रमिकों को अधिक प्रभावी ढंग से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में मदद करेगा।हालांकि, इस संहिता के तहत प्रस्तावित सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करना है। पहले स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत, ये श्रमिक अधिकांश श्रम सुरक्षा के दायरे से बाहर थे। यह संहिता अब उनके आर्थिक योगदान को मान्यता देती है और उनके लिए समर्पित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के निर्माण को अनिवार्य बनाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह कि यह संहिता साझा योगदान का एक ऐसा मॉडल पेश करती है, जिसमें न केवल श्रमिकों, बल्कि उन्हें नियुक्त करने वाले प्लेटफ़ॉर्म या एग्रीगेटर्स को भी इन योजनाओं में योगदान करना आवश्यक है। यह कदम प्रणाली को खासकर उन गिग श्रमिकों के लिए अधिक न्यायसंगत और आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाता है, जिनकी आय अक्सर अनियमित या अप्रत्याशित होती है। गिग अर्थव्यवस्था में संलग्न महिलाओं के लिए, यह एक अन्यथा अनियमित क्षेत्र में अधिकारों और लाभों को सुरक्षित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

संयुक्त रूप से ये प्रावधान महिलाओं के काम को औपचारिक बनाने और देश के श्रम बाजार के ढांचे में लैंगिक रूप से संवेदनशील सुरक्षा व्यवस्था को समाहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। फिर भी, इनकी सफलता उद्योग जगत द्वारा महिलाओं के अनुकूल प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन एवं अपनाने, सुलभ पंजीकरण तंत्र के निर्माण और अनौपचारिक एवं डिजिटल कार्यस्थलों में कार्यरत महिलाओं को अब कानून द्वारा दिए गए अधिकारों का लाभ उठाने के लिए निरंतर पहुंच सुनिश्चित करने पर निर्भर करेगी।

संक्षेप में, ये व्यापक श्रम संहिताएं देश के श्रम बाजार को अधिक समतामूलक, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने का एक परिवर्तनकारी अवसर पेश करती हैं। मातृत्व संबंधी लाभ का विस्तार, महिलाओं के लिए रात्रि पाली में काम करने पर प्रतिबंध हटाना, कार्यस्थलों पर शिशुगृह सुविधाओं को अनिवार्य बनाना और अनौपचारिक एवं गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना जैसे प्रमुख प्रावधान श्रमबल में लंबे समय से चली आ रही लैंगिक और संरचनात्मक असमानताओं को पाटने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाते हैं। हालांकि, केवल विधायी मंशा ही अपने–आप में पर्याप्त नहीं है। वास्तविक बदलाव सभी राज्यों में श्रम संहिताओं के समय पर, एक समान तरीके से और प्रभावी कार्यान्वयन पर निर्भर करेगा। इसके लिए न सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति, बल्कि मजबूत संस्थागत तंत्र, अंतर–राज्यीय समन्वय, एक सक्रिय उद्योग जगत और जमीनी स्तर पर ठोस निगरानी की जरूरत होगी।आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने हेतु, आत्मनिर्भर महिलाओं के उत्थान को भी बढ़ावा देना होगा और उन्हें एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं प्रगतिशील बनाने वाले श्रम इकोसिस्टम द्वारा संरक्षित करना होगा। चाहे महिलाएं खेतों पर हों, कारखानों में हों, गिग प्लेट-फॉर्म पर या छोटे उद्यमों में हों, उन्हें सिर्फ विकास के लाभार्थी के रूप में ही नहीं बल्कि इसके शिल्पी के रूप में भी पहचानना होगा।

जीडीएन का पहला लुक टीजर जारी, आर माधवन को नए अवतार में पहचानना हुआ मुश्किल

अभिनेता आर माधवन की फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट को लोगों का भरपूर प्यार मिला था। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म जीडीएन को लेकर चर्चा में हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का पहला लुक टीजर जारी कर दिया है। फिल्म में वह जीडी नायडू उर्फ गोपालस्वामी दोरीस्वामी नायडू की भूमिका में हैं, जिसमें उन्हें पहचानना भी मुश्किल है। फिल्म का निर्देशन कृष्णकुमार रामकुमार ने किया है, जबकि माधवन और सरिता माधवन इसके निर्माता हैं। आइए जानते हैं इसकी रिलीज तारीख। जीडीएन के 43 सेकंड के टीजर में, माधवन को जीडी नायडू के रूप में काम करते हुए देखा जा सकता है। टीजर के साथ पोस्ट लिखा है, जीडीनायडू की भावना अब आधिकारिक रूप से सामने आ गई है। ये बेजोड़

दूरदर्शिता, विशाल महत्वाकांक्षा और अटूट संकल्प की कहानी है। बता दें कि जीडी नायडू, भारतीय आविष्कारक और इंजीनियर थे, जिन्हें भारत का एडिसन कहा जाता है। माधवन की यह फिल्म अगले साल 2026 की गर्मियों में रिलीज की जाएगी।फिल्म जीडीएन का निर्देशन और लेखन कृष्णकुमार रामकुमार ने किया है। गोविंद वासंथा फिल्म के लिए संगीत दे रहे हैं। फिल्म में सत्यराज, प्रियामणि, दुशारा विजयन, थम्बी रामाय्या और विनय जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस स्टार–कास्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। यह फिल्म जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है। जी.डी. नायडू एक महान आविष्कारक और उद्योगपति थे। फिल्म की शूटिंग कोयंबटूर और जर्मनी जैसी जगहों पर होगी। मेकर्स ने बताया है कि फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा विदेशी लोकेशंस पर पूरा हो चुका है। फिल्म के तकनीकी पहलुओं, जैसे सिनेमैटोग्राफी, मेकअप और पोस्टर डिजाइन की भी काफी तारीफ हो रही है।यह फिल्म जी.डी. नायडू जैसे महान व्यक्ति की कहानी बताएगी, जिन्होंने अपने आविष्कारों से दुनिया को चौंका दिया था।

एशेज सीरीज में मिचेल स्टार्क ने 5वीं बार लिया 5 विकेट हॉल, ये रिकॉर्ड्स बनाए

नईदिल्ली,ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एशेज सीरीज 2025–26 के पहले टेस्ट में घातक गेंदबाजी की है। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ पर्थ टेस्ट के पहले दिन 5 विकेट हॉल और कुल 7 विकेट अपने नाम किए।

ये उनके टेस्ट करियर का 17वां 5 विकेट हॉल रहा। उन्होंने एशेज सीरीज के इतिहास में 5वीं बार ये कारनामा किया है। ऐसे में आइए उनकी गेंदबाजी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। स्टार्क ने मैच के पहले ओवर से ही घातक गेंदबाजी की। उन्होंने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (0) को छठी गेंद पर ही चलता कर दिया। इसके बाद उन्होंने बेन डकेट (21), जो रूट (0), बेन स्टोक्स (6), गस एटकिंसन (1), जेमी स्मिथ (33) और मार्क वुड (0) को अपना शिकार बनाया। स्टार्क ने 12.5 ओवर गेंदबाजी की और 4 मेडन के साथ 74 रन खर्च किए। ये उनके टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी रहा। स्टार्क अपने टेस्ट डेब्यू के बाद पहली पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने पहली पारी के पहले ओवर में 7 विकेट (40 ओवर) चटकाए हैं।

मिचेल स्टार्क ने बेन स्टोक्स को एशेज में 10वीं बार किया आउट

नईदिल्ली,क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए एशेज सीरीज 2025–26 की निराशाजनक शुरुआत रही। वह पर्थ टेस्ट की अपनी पहली पारी में दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने स्टोक्स को बोल्ड करते हुए पवेलियन की राह दिखा। स्टार्क ने स्टोक्स को टेस्ट में 10वीं बार आउट किया है। आइए दोनों खिलाड़ियों के एक–दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन के बारे में जानते हैं।

क्रिकइंफो के मुताबिक, स्टार्क ने अब तक 22 पारियों में स्टोक्स को 10 बार आउट किया है, जबकि स्टोक्स ने इस उनके खिलाफ 11 की औसत से सिर्फ 190 रन बनाए हैं। टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान को उनसे ज्यादा बार सिर्फ भारत के रविचंद्रन अश्विन (13) ने आउट किया है। स्टार्क के साथी गेंदबाज नाथन लियोन ने 9 बार स्टोक्स का विकेट चटकाने में सफलता हासिल की है।

स्टार्क ने मैच के पहले ओवर से ही घातक गेंदबाजी की। उन्होंने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (0) को छठी गेंद पर ही चलता कर दिया। इसके बाद उन्होंने बेन डकेट (21), जो रूट (0), बेन स्टोक्स (6), गस एटकिंसन (1), जेमी स्मिथ (33) और मार्क वुड (0) को अपना शिकार बनाया।

बॉक्स ऑफिस पर दे दे प्यार दे 2 ने 5वें दिन लगाई छलांग

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म दे दे प्यार दे 2 का बोलबाला इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रहा है। फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे समीक्षकों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। रिलीज के 5 दिन पूरे करने के बावजूद फिल्म दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। यही वजह है कि कारोबारी दिनों में दे दे प्यार दे 2 का बंपर कारोबार जारी है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, दे दे प्यार दे 2 ने 5वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। दिलचस्प बात यह है कि चौथे दिन के मुकाबले कमाई में उछाल देखा गया है। अगर पिछली कमाई के आंकड़ें देखें तो इसने चौथे दिन 4.25 करोड़, तीसरे दिन 13.75 करोड़, दूसरे दिन 12.25 करोड़ और पहले दिन 8.75 करोड़ रुपये कमाए थे। दे दे प्यार दे 2 ने 44 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म दे दे प्यार दे 2 साल 2019 में इसी नाम के साथ रिलीज फिल्म की सीक्वल है। लव रंजन ने फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है। अजय ने फिल्म में 52 साल के लंदन व्यवसायी आशीष मेहरा का किरदार निभाया है, जबकि रकुल 25 साल की आयशा के किरदार में हैं।

भारत की पहली सुपर शी मूवी किलर भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए तैयार

निर्देशक पूर्वाज, जिन्होंने पहले शुक्र, मातारानी मौनमीदी और अ मास्टरपीस जैसी अनोखी फिल्मों से फिल्म प्रेमियों को प्रभावित किया है, अब एक सनसनीखेज साइंस–फिक्शन एक्शन थ्रिलर किलर लेकर आ रहे हैं। खास बात यह है कि पूर्वाज खुद इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ज्योति पूर्वाज मुख्य भूमिका में हैं, जबकि विशाल राज, दशरथ, चंदू और गौतम अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। उर्विश पूर्वाज द्वारा प्रस्तुत, यह फिल्म थिंक सिनेमा बैनर तले एयू एंड आई और मर्ज एक्सआर के सहयोग से निर्मित की जा रही है। यह निर्माता पूर्वाज, प्रजय कामथ और ए. पद्मनाभ रेड्डी के बीच दूसरा सहयोग है। निर्माताओं ने आज एक रोमांचक अपडेट साझा किया है–किलर का पोस्ट–प्रोडक्शन कार्य अपने अंतिम चरण में है। भारत की पहली सुपर शी फिल्म कही जा रही किलर ने पहले ही दर्शकों के बीच गहरी दिलचस्पी जगा दी है।

गुवाहटी टेस्टः शुभमन गिल आधिकारिक तौर पर दूसरे टेस्ट से हुए बाहर, ऋषभ पंत करेंगे कप्तानी

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ईडन गार्डन टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। अब ऐसी खबर है कि गिल 2 नवंबर से गुवाहटी में होने वाले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ये घोषणा की है। उनकी गैरमौजूदगी में भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत टीम की कमान संभालेंगे। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने फिलहाल सीरीज में 1–0 से बढ़त बनाई हुई है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन

गर्दन में चोट लगी थी। वह 19 नवंबर, 2025 को गुवाहाटी गए। बदकिस्मती से, वह दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं थे और अपनी चोट की आगे की जांच के लिए मुंबई जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, गिल मुंबई में डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला से सलाहलेंगे। उनका अभी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाने की कोई योजना नहीं है।

ईडन गार्डन टेस्ट में दूसरे दिन बल्लेबाजी पर आए गिल ने पहले चौका लगाया और उसके बाद गर्दन की दर्द से परेशान हुए। उनको देखने के लिए तुरंत फिजियो मैदान पर आए। इसके बाद वह मैदान छोड़कर चले गए थे। ड्रेसिंग रूम की ओर जाते समय गिल जरा भी अपनी गर्दन नहीं घुमा पा रहे थे। चोट के कारण कप्तान गिल तीसरे दिन बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे, क्योंकि उसी दौरान वे अस्पताल में भर्ती थे।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू बचाव को लेकर छात्रों को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : आशा सेवा विकास समिति के तत्वावधान में राजकीय इंटर कालेज श्रीकोटखाल एवं राजकीय इंटर कालेज नौगांवखाल में डेंगू से बचाव हेतु जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम प्रभारी विजेन्द्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को डेंगू से बचाव की जानकारी देते हुए कहा कि अपने आसपास साफ-सफाई बनाये रखें। पानी की टंकियों, गमलों एवं घर की छत पर पानी जमा न होने दें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने, डेंगू बुखार के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द होने पर शीघ्र ही डाक्टर से सलाह लें। इस दौरान विद्यालय परिवार ने अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए आशा समिति का आभार जताया। साथ ही इस तरह के कार्यक्रम की सराहनीय कदम बताया।

डा. प्यारेलाल कंडवाल के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रीन पल्स सोसाइटी की तरफ से शोकसभा में ग्रीन पल्स सोसाइटी की उपाध्यक्ष प्रणिता कंडवाल के ससुर डा. प्यारेलाल कंडवाल के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में बताया गया कि डा. प्यारे लाल कंडवाल विगत कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, उनके निधन से समाज को बड़ी क्षति हुई है। कहा कि किशनपुरी निवासी डा. प्यारेलाल कंडवाल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वे हमेशा से ही सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। वे जरूरतमंदों को निःशुल्क इलाज भी करते रहते थे। इस मौके पर संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेश जोशी, सचिव प्रशांत कुकरेती, सह सचिव मोहित कंडवाल, राजेन्द्र रावत, अरुण पांथरी, डा. मोहन कुकरेती, अजय खंतवाल, दिग्विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने साइबर ठगों से वापस दिलवाई रकम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : साइबर ठगों की ओर से आनलाइन ठगी गई लाखों की रकम को पुलिस ने पीड़ितों तक वापस पहुंचाया है। मामले में संजय सिंह रावत की ओर से साइबर सेल को शिकायत की गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि अज्ञात व्यक्ति ने वाट्सएप कॉल के माध्यम से उनसे संपर्क किया और क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग कर अधिक मुनाफा कमाने की बात कही। बताया कि व्यक्ति के बहकावे में आकर उन्होंने पांच लाख 65 हजार रुपये की धनराशि एप में निवेश कर दी। पैसे निवेश के बाद व्यक्ति ने किसी भी तरह की जवाब नहीं दिया। जिसमें बाद उन्हें मालूम हुआ कि वह साइबर अपराधियों का शिकार बन गए। वहीं, काशीरामपुर निवासी कृष्णा सिंह नेगी की ओर से भी कोतवाली में तहरीर दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि आनलाइन इंवेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठग ने उनसे तीन लाख साठ हजार रुपये ठग लिए है। दोनों मामलों में पुलिस ने बैंक के साथ मिलकर पीड़ितों के खातों में रकम को वापस दिलवाया।

प्रो. राणा को मिली विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुधांशु जयसवाल को पदमुक्त कर दिया है। गढ़वाल विवि के कुलसचिव की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष के विरुद्ध मिली शिकायत के सम्बंध में विवि द्वारा गठित आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की बैठक में 15 मई, 20 मई और 1 जून की संस्तुति के क्रम में प्रो. सुधांशु जायसवाल के स्थान पर डीन आर्ट्स कम्युनिकेशन एंड लैंग्वेज प्रो. मंजुला राणा को अग्रिम आदेशों तक पत्रकारिता एवं जनसंचार केंद्र के विभागाध्यक्ष के दायित्वों के निर्वहन के लिए अधिकृत किया गया है।

मोटर मार्ग में अनियमितता से प्रधान संगठन में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत दुगड्डा से कोटी मोटर मार्ग में कथित तौर पर हो रहे अवैध खनन व अनियमिताओं को लेकर प्रधान संगठन कीर्तिनगर ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। जिलाधिकारी टिहरी को भेजे ज्ञापन में प्रधान संगठन कीर्तिनगर के निर्वतमान अध्यक्ष सुनय कुकशाल ने कहा कि दुगड्डा से कोटी मोटर मार्ग में हो रहे अवैध खनन व अनियमिताओं को लेकर पूर्व में भी पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को जानकारी दी गयी है, बावजूद कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई जा रही है। प्रधान संगठन ने जिलाधिकारी टिहरी से मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप करवाए जाने और प्रकरण की जांच स्वतंत्र एजेंसी से करवा कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। (एजेंसी)

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से आयोजित की गई प्रतियोगिताएं

कोटद्वार के प्रेक्षागृह में आयोजित जिलास्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से कोटद्वार में जनपद स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता की सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कालेज दुगड्डा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रेक्षागृह में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद अनिल बलूनी ने किया। सांसद अनिल बलूनी ने कहा कहा कि संस्कृत भाषा सिर्फ भाषा नहीं बल्कि संस्कृति व संस्कारों का समागम है। कहा कि केंद्र संस्कृत के उत्थान को लगातार प्रयासरत है। कहा कि जब संस्कृत आगे बढ़ेगी, तभी देश विश्व गुरू बनने की राह में आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम के दौरान पहुंचे सांसद अनिल बलूनी ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं ही बच्चों को बड़े मंच तक पहुंचाती हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के संयोजक रोशन गौड़ ने कहा कि जनपदस्तरीय प्रतियोगिता के दौरान बच्चों के लिए संस्कृत समूह नृत्य, श्लोक, समूह गान, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रथम दिवस के सामूहिक नृत्य में राजकीय बालिका इंटर कालेज दुगड्डा प्रथम, राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार द्वितीय व राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटडीसैंण तृतीय स्थान पर रहा। आशुभाषण में संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी के छात्र सुमित, स्प्रिंग डेल प्राइवेट स्कूल शिब्बूनगर की छात्रा खुशी रावत व ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय के छात्र धैर्य खुगशाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, श्री सिद्धबली मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जगदंबा प्रसाद ध्यानी, डा. रमाकांत कुकरेती, सुनील रावत आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

कोटद्वार में नशे के खिलाफ जागरुकता रैली निकालते विद्यालयों के बच्चे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डू समथिंग सोसाइटी सहित अन्य संस्थाओं की ओर से नशे के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहकर बेहतर जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

देवी रोड स्थित जल निगम स्टोर के समीप से देवी रोड, नजीबाबाद रोड, बदरीनाथ मार्ग होते हुए मालवीय उद्यान तक रैली निकाली गई। मालवीय उद्यान में हुए कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, डू समथिंग सोसाइटी के संरक्षक प्रकाश चंद्र कोठारी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। हमें नशे से दूर रहकर बेहतर समाज निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान 17 विद्यालयों के 15 सौ विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन की शपथ दिलवाई गई। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी अमित चंद, अजयपाल सिंह रावत, राकेश लखेड़ा, विजय माहेश्वरी, राजेंद्र पंत, अशोक जखमोला, अनिल सैनी, चिराग कुकरेती, अमित चंद, ठाकुर सिंह गुसाईं, केएस चौहान, विजय लखेड़ा, विकास देवरानी आदि मौजूद रहे।

चेक बाउंस के मामले में आरोपी को सुनाई एक वर्ष चार माह की सजा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सिविल जज न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में आरोपित को एक वर्ष चार माह की सजा सुनाई है। साथ ही व्यक्ति पर 14.90 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर व्यक्ति को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

लालपुर, सदाबहार कालोनी निवासी कमलेश कुमार की ओर से 28 जून 2018 को न्यायालय में वाद दायर किया गया था। जिसमें उन्होंने बताया कि ध्रवुपुर निवासी सोनीपाल सिंह से उनकी अच्छी जान-पहचान थी। सोनीपाल ने इलाहाबाद बैंक से ऋण लिया हुआ था। बताया कि सोनीपाल पर बैंक का ऋण लग रहा था, जिसके बाद उसने उन्हें चौदह लाख रुपये उधार देने के लिए कहा। साथ ही एक महीने के भीतर उधार की रकम वापस लौटाने की बात कही गई। बताया कि अक्टूबर 2016 को उन्होंने सोनीपाल को चौदह लाख रुपये दे दिए। लेकिन, सोनीपाल ने एक माह बाद भी रकम वापस नहीं लौटाई। बताया कि कई बार रकम वापस मांगने के बाद सोनीपाल ने उन्हें बैंक का चौदह लाख रुपये का चेक थमा दिया। लेकिन, जब उन्होंने वह चेक अपने खाते में लगाया तो वह बाउंस हो गया।

इसके बाद उन्होंने सोनीपाल को नोटिस भेजा। लेकिन, उसने नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। अधिवक्ता अनिल खंतवाल ने बताया कि मामले में सिविल जज न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनिया ने मामले में सोनीपाल को दोषी पाते हुए एक वर्ष चार माह की सजा सुनाई है। कारावास के साथ ही आर्थदंड लगाया है। जिसमें से चौदह लाख अस्सी हजार रुपये परिवादी को प्रतिकर के रूप में दिए जाएंगे। शेष धनराशि दस हजार रुपये राज्य सरकार के खाते में जमा किए जाएंगे।

शिविर में लोगों ने बताई विद्युत से संबंधित शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्युत शिकायत निवारण मंच की तरफ से सतपुली व प्रखंड बीरोंखाल में जागरूकता शिविर का आयोजन कर विद्युत उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में उपभोक्ताओं की तरफ खराब मीटर, झूलती तारों व पोल शिफ्टिंग सहित 10 शिकायतें भी दर्ज करवाई गई। उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के न्यायिक सदस्य कीर्ति प्रसाद भट्ट व अमित ठाकुर सतपुली पहुंचे, जहां पर उन्होंने उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुना।

उपभोक्ताओं ने खराब मीटर, झूलते विद्युत तारों व पोल शिफ्टिंग को लेकर शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को उपभोक्ता की शिकायतों का निवारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत से संबधित अधिकारों की भी जानकारी उपभोक्ताओं को दी। तत्पश्चात बीरोंखाल स्थित इंटर कालेज में शिविर लगाया गया। शिविर में पहुंचे उपभोक्ताओं ने विद्युत से संबधित शिकायतें दर्ज करवाई। इस मौके पर सहायक अभियंता मुकेश सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सरदार पटेल ने देश को एकसूत्र में बांधा : बलूनी

कोटद्वार में आयोजित यूनिट मार्च दौड़ को संबोधित करते हुए बोले सांसद अनिल बलूनी

कोटद्वार में निकाली यूनिट मार्च दौड़ में भाग लेते सांसद अनिल बलूनी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल के बताए मार्ग पर चलकर देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे है। कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

शुक्रवार को तड़ियाल चौक से यूनिट मार्च देवी रोड, नजीबाबाद रोड, झंडाचौक व बदरीनाथ मार्ग से होते हुए मालवीय उद्यान में पहुंचा। इसके उपरांत यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल बलूनी ने कहा कि जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ उस समय बहुत सी रियासतें थी। उस समय तय किया गया कि जहां-जहां मुस्लिम आबादी है वह पाकिस्तान बन जाएगा और जहां हिंदू आबादी है वह हिदुस्तान होगा। एक अलग तरीके से देश को बनाया जा रहा था। बताया कि सरदार पटले ने इसके खिलाफ रियासतों को एक किया और उन्हीं की देन है कि आज हमारा पूरा भारत एक बना। कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने देश विरोधी योजनाओं को अपनाया। एक ही परिवार द्वारा देश को चलाया जा रहा था। हर गांव, हर शहर हर जगह का नाम केवल एक परिवारों के सदस्यों के नाम पर ही रखा जा रहा था। कहा कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी देश की तरक्की के लिए कार्य कर रही है। कहा कि सरदार पटेल के योगदान को याद करने के लिए आज हर समाज हर धर्म का व्यक्ति पदयात्रा कर रहा है। सरदार पटेल की इच्छा शक्ति के ही कारण देश तरक्की के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर महापौर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, गोसेवा अयोग के उपाध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल, ऋषि कंडवाल आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दी डिजिटल कौशल की जानकारी

आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला उद्योग केंद्र की ओर से आयोजित ई-कामर्स प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों ने डिजिटल कौशल की जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वरोजगार शुरु करने के लिए भी प्रेरित किया गया। 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 28 युवाओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने ई-कॉमर्स से संबंधित विभिन्न तकनीकी जानकारी दी। युवाओं को ग्राफिक डिजाइन, डिजिटल मार्केटिंग, वीडियो एडिटिंग और ई-कॉमर्स उद्यमिता से जुड़े उपयोगी मॉड्यूल सिखाए गए। साथ ही युवाओं को को उद्योग संबंधित प्रोजेक्ट कार्य आवंटित किए गए। साथ ही युवाओं को प्रमाणपत्र भी दिए गए। मुख्य अतिथि नरसिंह कर्णवाल ने कहा कि डिजिटल युग में ई-कॉमर्स तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार की दिशा में तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में हुआ यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। महाप्रबंधक उद्योग सोमनाथ गर्ग ने कहा कि ई-कॉमर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का मकसद युवाओं को डिजिटल बाजार की मांग के अनुरूप दक्ष बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा दिखाया गया उत्साह और उनका सीखने का समर्पण इस कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर विवेक जदली, प्रबंधक उद्योग उपासना सिंह, जीएसटी विभाग के सहायक आयुक्त मितेश्वर आनंद, उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील गुप्ता, सचिव विवेक चौहान आदि मौजूद रहे।

पार्षद सुखपाल शाह को मिलेगा सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत झंडीचौड़ पश्चिमी में विश्वकर्मा उत्थान समिति की बैठक में पार्षद सुखपाल शाह को डा. अंबेडकर विशिष्ट सेवा नेशनल अवार्ड 2025 के लिए चुने जाने पर खुशी व्यक्त की गई।

अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने बताया कि पार्षद सुखपाल शाह दीन दुःखियों की सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने समाज के दबे कुचले लोगों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए है। अभी भी वे लगातार समाज की सेवा में लगे रहते है। कहा कि उन्हें यह सम्मान 12 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित अकादमी के 41वें अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर के हाथों प्रदान किया जाएगा। कहा कि सुखपाल शाह को पूर्व में भी अकादमी के माध्यम से डा. अंबेडकर नेशनल फेलोशिप अवार्ड, भगवान बुद्ध नेशनल फेलोशिप अवार्ड, महात्मा ज्योतिबा फुले नेशनल फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इस मौके पर पूर्व प्रधान पुष्पा शाह, परशुराम, राजेंद्र चौहान, महेश दत्त, टीका राम, हरि सिंह रावत, चंद्र सिंह, जगदीश प्रसाद, चंद्रपाल शाह, सोहन लाल, चतर सिंह, बलबीर रूमेला मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुख्य/पूरक इंटरमीडिएट मुख्य परीक्षा सन् 2018 अनुक्रमांक 18457263 की अंकतालिका, प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

प्रगति घिल्डियाल पुत्री सतीश चन्द्र घिल्डियाल निवासी लालपानी, पोस्ट कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1517/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने सन् 2014 में हाईस्कूल व 2016 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। मेरा हाईस्कूल का अंक पत्र व प्रमाण पत्र तथा इण्टर का अंक पत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है। जो काफी खोबजीन के बावजूद भी नहीं मिले।

संदीप रतूड़ी पुत्र श्री सत्य प्रसाद रतूड़ी निवासी ग्राम छेटी, पोस्ट छेटी, पट्टी/तहसील जाखणीधार, जिला टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1518/21)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 33 एस.एल.आर

गाड़ी सं. 14818 (F-I, F-II, R-I), 19566 (F-I), 12912 (F-I), 14308 (F-I, F-II, R-I), 14631 (F-I, F-II, R-I), 14230 (F-I, F-II, R-I), 12056 (F-I), 14310 (F-I), 14042 (F-I, F-II, R-I), 14120 (F-I), 14090 (F-I, F-II, R-I), 14319 (F-I), 15019 (F-I), 19272 (F-I), 14311 (F-I), 14609 (F-I), 19610 (F-I, R-I), 15006 (F-I, R-I), 12172 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 05.12.25 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वैबसाइट पर ही उपलब्ध है।

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 34 एस.एल.आर

गाड़ी सं. 14320 (F-I, F-II, R-I) 14236 (F-I, F-II), 14321 (F-I), 14718 (F-I, F-II, R-I), 12091 (F-I, F-II, R-I), 14315 (F-I, F-II, R-I), 14605 (F-I), 12037 (F-I), 15120 (F-I), 12015 (F-I) 14887(F-I, F-II,R-I) 14304 (F-I, F-II, R-I), 14306 (F-I, F-II, R-I), 14314 (F-I, F-II, R-I), 13010 (F-I). को पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 08.12.25 (Timings : 10:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वैबसाइट पर ही उपलब्ध है।

3612/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्कूली बच्चों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : टू फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट कोटद्वार द्वारा आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज बिलखेत में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के मेवालाल गौड़ एवं रिंकी देवी, डॉ. विजेन्द्र ने छात्रों को स्वास्थ्य, शिक्षा सम्बन्धी जानकारी दी।

इस मौके पर पीएलबी सतपुली पुष्पेंद्र राणा ने छात्र-छात्राओं को कानून संबंधी जानकारी दी। साथ ही बाल अपराध, नशीली दावों के दुष्प्रभाव एवं नालसा सालसा एवं डालसा की योजनाओं के बारे में बताया। थाना प्रभारी सतपुली दिनेश कुमार ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियम, साइबर क्राइम तथा अन्य कानून संबंधी जानकारी दी। उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के बारे मे विस्तार रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असावधानी और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण इन दिनों सड़क दुर्घटना काफी बढ़ गई हैं। सड़क पर चलने वाले सभी चालकों को यातायात सिंबल पर ध्यान देना जरूरी है। इससे बचने के लिए दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें और चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करे। पुलिस से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी जिंदगी से बचने के लिए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। वाहन चलाते समय अपने साथ संबंधित कागजात जरूरी रखे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य देवेश नैथानी, वंदना नैथानी, प्रमिला ध्यानी, आरती, सती, लक्ष्मी नेगी, प्रेमलता द्विवेदी, रघुवीर सिंह रावत, साहिल बिष्ट, संदीप सिंह, पुलिसकर्मी संजय पाल सिंह, टीकम सिंह चौहान सहित कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहो। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सदस्य मेवालाल गौड़ ने किया।

छात्रों को बताई संसदीय परंपराओं की सीख और समझ

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय महाविद्यालय सतपुली, खैरासैंण में शुक्रवार को युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों को संसदीय परंपराओं की सीख और समझ के बारे में अवगत कराना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा. अवधेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि युवा संसद जैसे कार्यक्रम युवा पीढ़ी को संवाद, वाद-विवाद तथा नीति निर्माण की वास्तविक प्रक्रिया से परिचित कराते हैं, जिससे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक और नेतृत्वकर्ता तैयार होते हैं। कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों को सीखने का मौका मिलता है। भविष्य में वे राजनीतिक क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने लोकसभा की कार्यवाही का अनुकरण करते हुए प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक प्रस्तुति, विपक्ष की प्रतिक्रिया और स्पीकर की भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पद पर ईशा, रक्षा मंत्री राघव, गृह मंत्री अंजलि, महिला एवं बाल विकास मंत्री आंचल, शिक्षा मंत्री शुभम सिह ने सरकार का पक्ष मजबूती से रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में गंगा और संतोष कुमार ने भी सरकार से सवाल जवाब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। विद्यार्थियों ने महंगाई, बेरोजगारी, डिजिटल शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आतंकवाद, पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श किया। स्पीकर के रूप में स्नेहा ने सदन का सफल संचालन किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वैबसाइट एवं कार्यालय का पता
1	26/वरि.मं.वि.अभि./सा./मुरा./2025:- मुरादाबाद मंडल में पुरानी विद्युत परिसंपत्तियों के उन्नयन एवं संबद्ध केबलिंग के साथ विद्युत आपूर्ति वितरण प्रणाली के विस्तार कार्य।	2,33,21,315.21 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद	2,66,600.00	6 (छः) माह	निविदायें दिनांक 12.12.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वैबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद

निविदा सूचना सं.: 22/2025 दिनांक: 20.11.2025 3613/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि०/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	बयाना धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	01-Tele-UTS-MB-2024-25- इम्प्लीमेंशन ऑफ यूटीएस मोबाइलेजेशन फार टीयर 2/3/4 लोकेशन ओवर मुरादाबाद डीविजन	43691205.22	368500.00	निल	19.12.2025 15:00 बजे
2	01-Tele-PRS-MB-2024-25- इम्प्लीमेंशन ऑफ पीआरएस मोबाइलेजेशन फार टीयर 2/3/4 लोकेशन ओवर मुरादाबाद डीविजन	45512831.04	377600.00	निल	19.12.2025 15:00 बजे
3	SNT-RT1-SIG-KGFYARD-Weigh सिग्नलिंग अल्ट्रेशन एट कंप्यूटराइज्ड स्टेशन फार ई. आई. एम. डब्ल्यू. बी	8356781.27	167100.00	निल	19.12.2025 15:00 बजे

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना– 01-Tele-UTS, PRS, KGFYARD-MB-2024-25 दि0:– 20.11.2025 3616/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

गढ़वाल विवि के छात्रों के पास परीक्षा पास करने का एक और मौका

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि ने 2015 से पूर्व वार्षिक प्रणाली वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा पास करने का एक और मौका दिया है। इसको लेकर गढ़वाल विवि ने ऑफलाइन आवेदन शुरू कर दिए है, जो कि 15 दिसम्बर तक भरे जायेंगे।

गढ़वाल विवि में आहूत की गई 23वीं विद्या परिषद की बैठक में वर्ष 2015 से पूर्व वार्षिक प्रणाली के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण विज्ञान, इलिमेंटरी बुक किपिंग एंड एकांउटेंशी और इन्वाइरोमेंट एजुकेशन में अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएं थे उनको एक अंतिम मौके देने का फैसला लिया गया था। इसी क्रम में गढ़वाल विवि ने ऑफलाइन आवेदन फार्म जारी कर दिए है। आवेदन फार्म का शुल्क 4 हजार रूपये निर्धारित की गई है। परीक्षार्थी आवेदन शुल्क गढ़वाल विवि केस काउंटर, बैंक ड्राफ्ट या ऑनलाइन के माध्यम से भी जमा कर सकते है। साथ ही परीक्षार्थी को शुल्क विवरण परीक्षा फार्म के साथ ही स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की अंकतालिका की छायाप्रति 20 दिसम्बर तक परीक्षा अनुभाग जमा कर अपने प्रवेश पत्र परीक्षा अनुभाग से प्राप्त कर सकते है। बैंक ड्राफ्ट गढ़वाल विवि के वित्त अधिकारी के नाम से ही देय होगा और परीक्षा केंद्र बिड़ला परिसर श्रीनगर होगा। परीक्षार्थी आवेदन सम्बंधित जानकारी गढ़वाल विवि की बेवसाइट एचएनबीजीयू.एसी.इन से प्राप्त कर सकता है। साथ ही सहायक कुलसचिव परीक्षा चंद्रमोहन 9412934660, 8445859188 से सम्पर्क कर जानकारी ले सकते है।

आबादी क्षेत्रों में बढ़ी भालुओं की धमक, ग्रामीण रातभर पहरा देने को मजबूर

चमोली : गांवों और आवासीय इलाकों में भालुओं की बढ़ती आवाजाही से दहशत में आए ग्रामीण अब पटाखे फोड़कर, कंटर बजाकर, सीटी और शोर मचाकर उन्हें दूर भगाने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि रातभर ग्रामीण समूह बनाकर पहरा देने को मजबूर हो गए हैं। बदरीनाथ वन प्रभाग के डीएफओ सर्वेश कुमार दूबे ने बताया कि भालुओं की गतिविधि वाले क्षेत्रों में तुरंत वन कर्मियों की पैट्रोलिंग टीम भेजी जा रही है। विभाग की टीम भी चेतावनी स्वरूप फायर पटाखे जला कर भालुओं को आबादी से दूर कर रही है। नंदानगर क्षेत्र के विजय प्रसाद, कल्पेश्वरी देवी और महिपाल सिंह गुसाईं ने बताया कि धुर्मा, मोख, कुंडी सहित कई गांवों में भालू लगातार दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण पटाखे, कंटर और शोर की मदद से उन्हें भगाने की कोशिश कर रहे हैं। मशालों की रोशनी भी भालुओं को गांवों में प्रवेश करने से रोकने में मदद कर रही है। कई गांवों में लोग पूरी रात जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। भालुओं की धमक अब शहरों तक पहुंच गई है। गुरुवार शाम और शुक्रवार सुबह गोपेश्वर में केंद्रीय विद्यालय के पास भी भालू नजर आया। डीएफओ दूबे ने बताया कि गोपेश्वर में भी वन विभाग की गश्त बढ़ा दी गई है। (एजेंसी)

हड़ताल पर रोक लगाने के खिलाफ सीटू का प्रदर्शन

देहरादून। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रैड यूनियन्स ने उत्तराखंड सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की हड़ताल पर छह महीने के लिए रोक लगाने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रैड यूनियन्स ने धामी सरकार के एस्मा एक्ट लागू कर हड़ताल पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के विरोध और आंदोलनरत उपनल कर्मचारियों के समर्थन में राजपुर रोड पर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने सरकार द्वारा आंदोलन पर लगाई गई रोक तथा उपनल कर्मचारियों के हितों की अनदेखी को लेकर असंतोष जताया।

बूढ़ी दीवाली पर सीता स्वयंवर नाटक रहा आकर्षण का केंद्र

देहरादून। स्वयं सिद्धा एसोसिएशन की ओर से शोभना वाहि भवन में उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं को समर्पित बूढ़ी दीवाली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रुखसाना हुसैन और मंजू चौधरी ने किया। गणपति अराधना के बाद विनय, अनुभा और लज्जा की ओर से मंगल भवन अमंगल हारी पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी गई।

मुख्य आकर्षण सीता स्वयंवर एक प्रतिज्ञा नाटक रहा, जिसे स्वीटी कलेर, अंजु रावत और प्रीति ने लिखा और निर्देशित किया। संगीत, कंपोजिशन और बैकग्राउंड म्यूजिक क्रेजी स्टूडियो की ओर से प्रस्तुत किया गया और आरव कलेर ने सूत्रधार की भूमिका निभाई।

व्यापार मंडल ने किया ट्रेड लाइसेंस का विरोध

नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : व्यापार मंडल सतपुली ने नगर पंचायत सतपुली द्वारा लागू किए जा रहे ट्रेड लाइसेंस शुल्क विरोध किया है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ट्रेड लाइसेंस शुल्क वापस लेने की मांग को लेकर नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर पंचायत शुल्क वापस नहीं लेती तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि नगर पंचायत द्वारा बिना पूर्व सूचना और परामर्श के अचानक लगाए गए शुल्क से व्यापारियों में गहरा रोष है। व्यापारियों का कहना है कि अभी तक नगर पंचायत ने न तो व्यापारिक क्षेत्रों में कोई सुव्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराई है और न ही व्यापारियों की समस्याओं पर ध्यान दिया है, ऐसे में शुल्क लेना अनुचित है। व्यापारियों ने आरोप लगाते

हुए कहा कि नगर पंचायत द्वारा व्यापारिक हितों की अनदेखी की जा रही है। व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि ट्रेड लाइसेंस के रूप में व्यापारियों पर कर निर्धारित किया गया है। पलायन एवं घटते व्यवसाय के चलते व्यापारी इसे देने में असमर्थ हैं, जबकि यह महानगर पालिका और नगर पालिका में लागू नहीं किया गया है। कहा कि जब तक अन्य इसे लागू नहीं करते तब तक सतपुली में भी इसे लागू न किया जाय। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी, कोषाध्यक्ष सुनील डंडरियाल, महामंत्री धीरेंद्र नेगी, व्यापारी प्रेम सिंह रावत, सत्यनारायण वेदी, अंकुर बंसल, विनोद धस्माना, सुरजन रौतेला, मुकेश सिंह, योगेंद्र सिंह, मनीष रौतेला राजाराम आदि शामिल थे।

चमोली में रोजगार मेला 29 नवंबर को

चमोली : सहकारिता विभाग, कौशल विकास एवं सेवायोजन कार्यालय की ओर से 29 नवम्बर को पुलिस मैदान गोपेश्वर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 7 कम्पनियों की ओर से युवाओं रोजगार हेतु साक्षात्कार के आधार पर चयन किया जाएगा। जिला सेवायोजन अधिकारी अर्चना सजवाण ने बताया कि 29 नवम्बर को सहकारिता विभाग, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की ओर से प्रातः 11 बजे से पुलिस मैदान गोपेश्वर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में 7 कम्पनियां के माध्यम से 600 से अधिक पदों पर रोजगार भर्ती आयोजित की जायेगी। अलग-अलग पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई हैं। नियोक्ता कम्पनियों की ओर से साक्षात्कार/चयन परीक्षा से पूर्व विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। रोजगार मेले में प्रतिभाग करनें के इच्छुक व पात्र अभ्यर्थी 29 नवंबर को प्रातः 10 बजे अपना नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो, समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र सहित रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

जंगल में फंसे भालू को वन विभाग की टीम ने किया आजाद

रुद्रप्रयाग : जनपद की केदारघाटी के मैखंडा गांव में मंदाकिनी नदी किनारे स्थित जंगल में फंसे भालू को वन विभाग की टीम ने आजाद करा दिया। भालू के घास के बीच पैर फंसे होने की सूचना ग्रामीण महिलाओं द्वारा दी गई, जिसके बाद बीते रात से वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर भालू को मुसीबत से छुड़ाया। हालांकि उसके बाद वह दूर जंगल में भाग गया। वन विभाग के अनुसार बीते दिन ग्राम सभा मैखंडा की बुर्सिल क्षेत्र के जंगलों में करीब सांय साढ़े तीन बजे करीब घास लेने गई महिलाओं को भालू के चीखने की आवाज सुनाई दी। जब गांव के लोगों ने दूर से देखा तो भालू झाड़ियों के बीच तार में फंसा दिखाई दिया। इसकी सूचना शीघ्र ही वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही मय फोर्स वन विभाग मौके पर पहुंची जहां भालू को निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया गया। देर सांय तक जारी अभियान शुक्रवार सुबह सफल हो सका। भालू को ट्रंकुलाइज कर किसी तरह सुबह 5 बजे झाड़ियों से हटाया गया और उसे दूर जंगल में छोड़ दिया गया। जिसके बाद वह दूर भाग गया। इधर, ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि उनके द्वारा शुरू से ही भालू को पकड़ने की मांग की गई थी पूर्व में भी भालू द्वारा कई मवेशियों को मार दिया गया। भालू के जंगलों में जाने से ओर अधिक खतरा बढ़ गया है। अब महिलाएं घास के लिए भी जाने में कतराने लगी हैं। ग्राम प्रधान मैंखडा कविता देवी ने बताया कि देर सांय भालू के फंसे होने की सूचना वन विभाग को दी गई थी तभी से उसे पकड़ने की मांग की गई किंतु वन विभाग द्वारा उसे निकालकर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब हमारे गांव सहित नजदीकी गांवों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। वन क्षेत्राधिकारी गुप्तकाशी हरि शंकर रावत ने बताया कि गुरुवार देर सांय मैखंडा गांव के नीचे जंगलों में भालू के फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई, सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम वन प्रभागीय अधिकारी रजत सुमन के नेतृत्व में मौके पर पहुंची।

लोकनृत्य और प्रदर्शनी एवं स्टाल में राप्राावि गिन्ठाली ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पाबौ ब्लाक के संकुल गिन्ठाली में संकुल भवन लोकार्पण और सपनों की उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के तहत रैंप वॉक, कुर्सी दौड़, लोक-गायन, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, विविध स्टॉल एवं प्रदर्शनी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

लोकनृत्य और प्रदर्शनी एवं स्टाल में प्राथमिक विद्यालय गिन्ठाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पाबौ के संकुल गिन्ठाली में आयोजित प्रतियोगिता के तहत रैंप वॉक में राजकीय प्राथमिक विद्यालय गिन्ठाली ने पहला, सिमतोली ने दूसरा और राजकीय प्राथमिक विद्यालय बहेली ने तीसरा स्थान पाया। लोक नृत्य में प्राथमिक विद्यालय गिन्ठाली पहले, पोखरीखेत दूसरे व गढ़मोनू तीसरे स्थान पर रहे। लोक गायन में हाईस्कूल चौरखाल ने पहला, जूनियर हाईस्कूल गिन्ठाली ने दूसरा, नुक्कड़ नाटक में जूनियर हाईस्कूल क्यार्द ने पहला, जूनियर हाईस्कूल गिन्ठाली ने दूसरा स्थान पाया। प्रदर्शनी एवं स्टाल में प्राथमिक विद्यालय गिन्ठाली पहले, प्राथमिक विद्यालय पोखरीखेत दूसरे व जूनियर हाईस्कूल क्यार्द तीसरे स्थान पर रहे। इस दौरान संकुल भवन का लोकार्पण भी किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इंटर कॉलेज पोखरीखेत के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह रावत, सीआरसी समंवयक प्रदीप रावत, खंड शिक्षा अधिकारी अमित चौहान, भगत सिंह रौतेला, प्रवीन सिंह नेगी, बिमला रावत, अशोक नैथानी, प्रहलाद सिंह रावत, बसंती देवी, कमलेश बलूनी आदि मौजूद रहे।

छात्र जीवन स्वर्णिम काल, लक्ष्य निर्धारित करें युवा

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार चंद्र मोहन सिंह ने गुरुवार को आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज सतपुली में छात्र-छात्राओं को कानून संबंधी जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर उन्होंने साइबर क्राइम नशा, बाल अपराध के बारे में जानकारी दी। कहा कि छात्र जीवन स्वर्णिम काल है। इसलिए लक्ष्य निर्धारण कर छात्र मंजिल तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भी शिक्षक के रूप में 10 वर्ष से अधिक सेवाएं दी है। इसलिए वह भली-भांति जानते है कि विद्यार्थी जीवन कैसा होता है। कार्यक्रम का संचालन पीएलबी पुष्पेंद्र राणा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जसवंत सिंह रावत सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किशोरों की सुरक्षा, देखरेख और पुनर्वास सर्वोच्च प्राथमिकता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय बाल संप्रेक्षण गृह (किशोर), गडोली में आयोजित किशोर न्याय बोर्ड की मासिक बैठक में प्रतिभाग किया। सचिव ने कहा कि किशोरों की सुरक्षा, देखरेख और पुनर्वास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने समयबद्ध विधिक सहायता, गुणवत्तापूर्ण परामर्श और समुचित पुनर्वास सेवाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक के उपरांत सचिव द्वारा विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र, किशोर न्याय बोर्ड कार्यालय तथा राजकीय बाल संप्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया गया। उन्होंने किशोरों को उपलब्ध करायी जा रही विधिक सहायता, परामर्श व्यवस्था, पुनर्वास सेवाओं, शिक्षण-सहायता एवं मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम,

पुनर्वास योजनाओं, परामर्श सेवाओं तथा विधिक सहायता की सुगमता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गयी। इस अवसर पर प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड प्रतीक्षा केसरवानी, अपर जिला समाज कल्याण अधिकारी अनिल कुमार सेमवाल, अधीक्षिका बाल संप्रेक्षण गृह मीना नेगी, रिटेनर अधिवक्ता कुसुम नेगी, केस वर्कर निशा नेगी, स्टोर कीपर विजय पांडे, पीएलवी अवतार सिंह उपस्थित रहे।

बैंकों ने 21 लोगों को लौटाई 29.86 लाख की धनराशि

नई टिहरी : जनपद के अग्रणी बैंक ने जिला मुख्यालय पर आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया। जिसमें 21 लोगों को उनकी 29.86 लाख रूपये के चैक वितिरित किये। टिहरी में 94 हजार अनक्लेम्ड खाते हैं। जिनमें 25.83 करोड़ की राशि जमा है। बैंकों ने अब तक 166 खातों को सेटल कर 79.70 लाख की राशि वापस करने की तैयारी पूरी कर ली है। वित्त मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशन में जिला अग्रणी बैंक टिहरी गढ़वाल ने खेल विभाग भवन के सभागार में आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान के तहत वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर का

शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत व एडीएम अवधेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। जिसके बाद नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, एडीएम अवधेश कुमार, डीडीओ मोहम्मद असलम, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक विकास भारती व आरबीआई के भरत राज ने हकदारों को उनके दावों के अनुरूप चैकों का वितरण किया। (एजेंसी)

महाविद्यालय के छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

रुद्रप्रयाग : राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग के स्वयंसेवियों ने दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के दौरान कई धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया। भ्रमण एसएस इंफ्रा पॉवर रुड़की द्वारा सीएसआर फंड की मदद से कराया गया। कार्यक्रम में स्वयं सेवियों ने जनपद चमोली के कर्ण कृष्ण मंदिर, कर्ण शिला, प्राचीन सती माता अनुसूया मंदिर, अत्री ऋषि आश्रम आदि में दर्शन किए। साथ ही स्वच्छता अभियान एवं गोपीनाथ मंदिर गोपेश्वर में शैक्षिक भ्रमण किया। कार्यक्रम में स्वयं सेवियों द्वारा इन मंदिरों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी ली गई। इस मौके पर महाविद्यालय से एनएसएस नोडल श्रीकांत नौटियाल, सहायक नोडल अधिकारी सुश्री अंविता सिंह, डॉ. आशीष नौटियाल, स्वयंसेवियों में संतोष बिष्ट, हिमानी कोठियाल, पलक सेमवाल, राधिका, खुशी पटवाल, गुनगुन बिष्ट आदि बड़ी संख्या में स्वंयसेवी मौजूद थे। (एजेंसी)

कर्मचारियों पर एस्मा लगाने को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नई टिहरी : कर्मचारियों को लेकर दमनकारी नीती अपनाने व एस्मा लगाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने गणेश चौक पर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पूतला फूंका। कांग्रेसी बोले कर्मचारियों का उत्पीड़न करने पर उतारू है भाजपा सरकार। शुक्रवार को कांग्रेसियों ने जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल के नेतृत्व में नई टिहरी के गणेश चौक पर एकत्रित होकर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का रवैया दमनकारी व तानाशाही है। (एजेंसी)

शरदोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या शिक्षण संस्थाओं के नाम रही

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शरदोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के नाम रही। प्राइमरी और जूनियर वर्ग की छात्र-छात्राओं के सामूहिक नृत्यों ने रामलीला मंच पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पौड़ी अस्मिता नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि पौड़ी में सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियां होती रहनी चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्व विद्यालय के लोकभाषा एवं लोक संस्कृति निष्पादन केंद्र के निदेशक गणेश खुगशाल गणी ने आयोजन में एक साथ मिलकर कार्य करने के लिए अभिभावकों और छात्र-छात्राओं की सराहना की।

पहली सांस्कृतिक संध्या में प्राइमरी वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर, विकास मार्ग ने राजस्थानी झूमर नृत्य प्रस्तुत किया। नेहरु मांटेसरी ने मछुवारा कोली नृत्य मै आई कोली की शानदार प्रस्तुति दी। सेंट जेम्स ने हरियाणवी मटक चलूंगी कबूतर, श्री गुरु राम राय ने राजस्थानी मुखौटा नृत्य, भगतराम ने गुजराती डांडिया रास, आदर्श मॉडल स्कूल प्रेमनगर ने बंगाल का लोक नृत्य कसाई शिलाई सोबनू, हिल्स इंटरनेशनल ने राजस्थानी बाजू बंदरि लूम उलझी जाय जबकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर 5 ने छत्तीसगढ़ आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया। जूनियर वर्ग में श्री गुरु राम राय ने एक चतुर नार की बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों को खूब गुदगुदाया। भगतराम पब्लिक ने हुड़की की गांजा, सरस्वती शिशु मंदिर विकास मार्ग ने मेरी बामणी, डीएवी इंटर कॉलेज ने हम काले हैं तो क्या हुआ दिल वाले हैं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। जबकि सेंट जेम्स ने मेरा ढेबरा हर्ची गेनी पर सुंदर प्रस्तुति देकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक आर एस नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केसर सिंह नेगी, पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी आदि मौजूद रहे।

सिटी यंग्स एफसी और अधोईवाला एफसी जीते

देहरादून। 78वीं लाल नेमी दास मेमोरियल फुटबॉल लीग चैंपियनशिप में सिटी यंग्स एफसी और अधोईवाला एफसी ने जीत दर्जकर पूरे अंक अर्जित किए। पवेलियन ग्राउंड में शुक्रवार दो मैच खेले गए। पहले मैच में सीटी यंग्स एफसी ने नवादा एफसी को 02–0 से हराकर मैच अपने नाम किया। मैच का पहला गोल 43वें मिनट में सीटी यंग्स एफसी के अमन ने किया। सीटी यंग्स एफसी के भूपेंद्र ने 48वें मिनट में एक और गोल कर अपनी टीम की जीत निश्चित की। दूसरे मैच में अधोईवाला एफसी ने एकतरफा मुकाबले में दून गढ़वाल हिरोज एफसी को 04–0 से पराजित किया। मैच का पहला गोल अधोईवाला एफसी के आयुष बिष्ट ने मैच के छठे और 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 2–0 से बढ़त दिलाई। 27वें मिनट में गोल कर टीम को 03–0 से बढ़त दिलाई।

सेंट एंथोनी के दिव्यांश राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चयनित

नई टिहरी : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राज्य स्तरीय विज्ञान महोत्सव में जिला मुख्यालय नई टिहरी के सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल के कक्षा 11वीं के छात्र दिव्यांश जुयाल ने प्रथम स्थान हासिल किया। जिस पर उनका राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। कृषि मॉडल श्रेणी में उनके प्रोजेक्ट एग्रो हेल्पर को निर्णायकों ने सबसे बेहतर पाया है। बीते दिवस नैनीताल में संपन्न हुए राज्य स्तरीय विज्ञान महोत्सव में सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल के छात्र दिव्यांश का मॉडल सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। जिसके बाद उन्होंने नेशनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। स्कूल के निदेशक गौतम बिष्ट ने बताया कि ब्लॉक और जिले के बाद दिव्यांश ने राज्य स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर स्कूल सहित जिले का नाम रोशन किया है। बताया कि दिव्यांश के पिता दाताराम जुयाल भी स्कूल में गणित के प्रवक्ता पद पर कार्यरत हैं। उनके चयन पर स्कूल प्रबंधन ने खुशी जताई है। (एजेंसी)

सीएम ने दिए ग्वालदम-देवाल-लोहाजंग सड़क को बेहतर बनाने के निर्देश

चमोली : वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली नंदा देवी राजजात यात्रा में मध्येनजर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने ग्वालदम देवाल-लोहाजंग वाण मोटर मार्ग के सुधार एवं निर्माण कार्यों को बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। थराली विधानसभा के विधायक भूपालराम टम्टा के नेतृत्व में क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने सीएम से मुलाकात कर कहा कि नंदा देवी राजजात यात्रा शुरू होने में एक वर्ष से कम समय रह गया है। यात्रा के दौरान ग्वालदम देवाल-लोहाजंग वाण मोटर मार्ग से हजारों लोग देवी के दर्शनों को पहुंचते हैं। ऐसे में मोटर मार्गों को दुरस्त किया जाना आवश्यक है। विधायक ने बताया कि सीएम ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि यात्रा की महत्ता व स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मोटर मार्ग के कार्यों में ऐसी सक्षम एजेंसियों की विशेषज्ञता का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है, जो पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर तकनीकी दक्षता रखती हैं। इसके लिए बीआरओ के माध्यम से कराए जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों। मार्ग पर कार्यों को और तेज, सुरक्षित तथा व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि यात्रा अवधि में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मुलाकात में ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत, मंडल अध्यक्ष कृपाल बिष्ट, युवा मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद रावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दयाल बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

अल्ट्रा मैराथन की सभी तैयारी पूरी, 23 नवंबर को शुरू होगी मैराथन

देहरादून। सिने अभिनेता टॉम आल्टर की स्मृति में 23 नवंबर को होने वाली अल्ट्रा, फुल व हॉफ मैराथन की सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। इसे लेकर आयोजित बैठक में सभी विषयों पर मंथन के बाद सभी सहयोगियों को दायित्व सौंपे गए। शुक्रवार को कुलडी स्थित एक होटल प्रांगण में आयोजित अल्ट्रा मैराथन सहयोगियों की बैठक में संयोजक दीपक ने बताया कि मैराथन के लिए साढ़े तीन सौ से अधिक पंजीकरण हो चुके है, जिसमें साठ के करीब अल्ट्रा मैराथन जो पचास किमी की होनी है। फुल व हॉफ मैराथन के लिए करीब 70 पंजीकरण किए गए। दस किमी व पांच किमी के लिए दो सौ से अधिक का पंजीकरण किया गया। बताया कि अल्ट्रा मैराथन दौड़ प्रातः साढ़े छह बजे, फुल मैराथन व हॉफ मैराथन सात बजे शुरू की जाएगी। दस व पांच किमी दौड़ आठ बजे की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरे रूट की रैकी कर ली गयी है व सभी स्थानों पर सहयोगियों की तैनाती पर चर्चा की गई। यातायात नियंत्रित करने के लिए स्थानीय वालिंटियर के साथ ही तीस जवान आईटीबीपी, व 75 स्वयं सेवक निरंकारी मिशन के रहेंगे। स्थानीय पुलिस के साथ ही अतिरिक्त फोर्स देहरादून से मंगाया गया है। हर दो किमी पर वालिंटियर मौजूद रहेंगे ताकि धावक सही रूट पर दौड़े। तीन एंबुलेंस भी साथ रहेंगी व धावकों के आगे बाइकें चलेंगी ।सभी वालिंटियर को वॉकी टॉकी से जोड़ा जायेगा ताकि परेशानी होने पर तत्काल समाधान किया जा सके। धावकों को स्पेशल किट दी जाएगी।

टीएचई रैंकिंग में उत्तरांचल विश्वविद्यालय को देश में मिला 28 वां स्थान

देहरादून। उत्तरांचल विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) इंटरडिसिप्लिनरी साइंस रैंकिंग्स–2026(आईएसआर)में राष्ट्रीय स्तर पर 28 वां स्थान तथा वैश्विक स्तर पर 301–350 वां स्थान हासिल किया है। टीएचई रैंकिंग्स में अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और एशिया सहित विश्वभर के एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया गया है। संस्थान के अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी ने कहा कि यह उपलब्धि उत्तरांचल विश्वविद्यालय के अंतर्विषयक शोध, नवाचार और अन्य प्रदर्शन मानकों को हासिल करने प्रयासों को उजागर करता है, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि इस उपलब्धि के साथ उत्तरांचल विश्वविद्यालय उन प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

दरमोला में पांडव पश्वाओं से आशीर्वाद ले रहे लोग

रुद्रप्रयाग : भरदार क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरमोला में पांडव नृत्य देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पांडव पश्वा प्रतिदिन पांडव अस्त्र शस्त्रों के साथ नृत्य कर लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जबकि हनुमान के छोटे-छोटे पश्वाओं का नृत्य भी दर्शकों को खूब भा रहा है।

दूर दराज क्षेत्रों से पहुंच रही धियाणियां देव निशानों एवं पांडवों के दर्शन पाकर खुशहाली का आशीर्वाद ले रही है। पांडव नृत्य कमेटी दरमोला द्वारा पांडव चौक दरमोला में बीते बीस दिनों से पांड़व नृत्य का आयोजन चल रहा है। हर दिन पुजारी कीर्तिराम डिमरी बदरीविशाल, हीत, तुंगनाथ, मां चामुंडा, नागराजा, क्षेत्रपाल सहित कई देव निशानों की पूजा-अर्चना एवं आरती कर रहे है। प्रतिदिन शाम को आरती एवं जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। पांडव चौक की पूजा करने के बाद ही पांडव एवं अन्य ग्रामीण नृत्य शुरु कर रहे हैं। प्रतिदिन ढोल दमाऊ की थाप स्थानीय देवी देवताओं के साथ ही हनुमान और पांडव पश्वा अवतरित हो रहे हैं। पांडव पश्वा अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य कर ऐसा लग रहा कि सजीव रुप में यहां पांडव अवतरित हो रहे है। इस बार नई पीढ़ी के युवक पांडवों की इस परम्परा को आगे बढ़ा रहे है। गांव की धियाणियां भी पांडवों एवं देव दर्शनों को पाकर भावुक हो रही है। पांडव नृत्य देखने के लिए दरमोला के साथ ही जवाड़ी, रौठिया, उत्यासू, डुंग्री, स्वीली, सेम, दरमोला, तरवाड़ी, कालापहाड़ समेत कई गांवों के ग्रामीण यहां बड़ी संख्या में पहुंच नृत्य का आंनद ले रहे हैं। पांडव नृत्य समिति के अध्यक्ष विक्रम पंवार एवं कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कप्रवान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होने वाले पांडव नृत्य में इस बार नए युवाओं को नृत्य के लिए तैयार किया गया है। ताकि भविष्य में आने वाले पीढ़ी हमारी संस्कृति एवं परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य कर सके। बताया कि 24 नवम्बर को नौगरी का कौथिग, 25 नवम्बर को गेंडे का कौथिग व सिरोता एवं 26 नवम्बर को नारायण के फल वितरण के साथ पांडव नृत्य का विधिवत समापन किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पांडव नृत्य में पहुंचने की अपील की है। इस मौके पर पुजारी कीर्ति प्रसाद डिमरी, त्रिलोक सिंह, मंगल सिंह पंवार, रमेश पंवार, रविन्द्र पंवार, बलवीर सिंह, त्रिलोक सिंह, विजय सिंह, राजेन्द्र सिंह सहित बडी संख्या में लोग मौजूद थे। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com